शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 97 | गुवाहाटी | मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यूपी समेत तीन राज्यों में उपचुनाव की तारीखों में बदलाव — पेज 2

जेबी लॉ कॉलेज में करोड़ों का घोटाला : प्रिंसिपल समेत 3 निलंबित — पेज 3

सुप्रीम कोर्ट समिति की किसानों के साथ बैठक रही बेनतीजा — पेज 5

आईएसएल : अपने पिछली हार से उपरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन — पेज 7

अल्मोड़ा में भीषण सड़क हादसा

650 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 38 की मौत

- राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री सहित सभी ने जताया शोक
- मुआवजे की घोषणा
- मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

देहरादून (हि.स.)। नदी में बिखरे शवों के ढेर में अपनों को तलाशती नम आखें और चारों ओर भयावह मंजर देख लोग दहल गए। यही नहीं, एक साथ 38 शवों का सामूहिक पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर की भी रूह कांप उठी। सोमवार को आपदा प्रभावित राज्य उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले से बस हादसे की जो तस्वीरें सामने आईं, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। बस में सवार अधिकतर लोग दीपवाली की छुट्टी मनाकर कार्यस्थल पर लौट रहे थे। जिस जगह हादसा हुआ है, वह पहाड़ी इलाका है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल की रिपोर्ट के अनुसार हादसे में 10 महिला समेत 36 यात्रियों की मौत हुई है और 27 लोग घायल हुए हैं। 42 सीटर बस पर कुल 63

सवारी खचाखच भरी थी। बताया जा रहा है कि ओवरलोडिंग के कारण यह बड़ा हादसा हुआ है। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। बस गढ़वाल मोटर्स ओनर्स यूनियन लिमिटेड की थी। कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि यात्रियों से भरी बस गढ़वाल क्षेत्र के पौड़ी जिले के गौलीखाल से कुमाऊं क्षेत्र नैनीताल जिले के रामनगर जा रही थी। रामनगर से 35 किलोमीटर पहले अल्मोड़ा जनपद के सल्ट ब्लाक अंतर्गत मारचुला (कूपी बैंड) के समीप पहुंचते ही बस अनियंत्रित होकर 650 फीट गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि एक संकरे मोड़ के पास चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका और यह खाई में गिर गई। मौके से आई तस्वीरें हादसे की भयावहता को दर्शाती -शेष पृष्ठ दो पर

एससी ने 9 दिसंबर तक राज्य को मटिया ट्रांजिट कैंप की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया

गुवाहाटी। उच्चतम न्यायालय ने असम सरकार को विदेशी अधिनियम, 1946 के प्रावधानों के तहत धुबड़ी स्थित मटिया ट्रांजिट कैंप का तत्काल निरीक्षण करने का आदेश दिया है, जहां वर्तमान में 200 से अधिक अवैध घुसपैठिए रह रहे हैं। सोमवार को न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने शिविर की स्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे *संतोषजनक नहीं हैं।* अदालत ने संबंधित विभाग के सचिव को 9 दिसंबर तक किए गए सुधारों का विस्तृत विवरण देते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया, जब मामले की पुन: जांच की जाएगी। अदालत का यह निर्देश राज्य स्तरीय सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) द्वारा प्रस्तुत -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय पुलिस ने पकड़े सात बांग्लादेशी नागरिक

शिलांग (हि.स.)। भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स जिला के महेंद्रगंज पुलिस थानांतर्गत कलाइस के बदलामग्री इलाके से सात बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बांग्लादेशी नागरिक कलाइस इलाके में पैदल जा रहे थे। सूचना मिलते ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और कलाइस पुलिस के संयुक्त अभियान में सातों अवैध नागरिकों को -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं हुए तो घुसपैठिए पूरे राज्य पर कर लेंगे कब्जा : हिमंत

रांची। असम के सीएम और झारखंड के भाजपा सह-प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं होगा तो घुसपैठिए पूरे झारखंड पर कब्जा कर लेंगे। अपने बयान में हिमंत ने कहा कि हमें झारखंड में घुसपैठियों की पहचान के लिए एनआरसी और ऐसे सर्वे करने होंगे। कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम यूसीसी लाएंगे लेकिन आदिवासियों को इससे दूर रखेंगे। अगर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जिसकी आत्मा संयमित होती है, वही आत्मविजयी होता है।
- आचार्य चाणक्य

कामरूप जिला प्रशासन ओर गुवाहाटी पुलिस ने छठ पूजा समितियों के साथ बैठक की

गुवाहाटी। छठ पूजा उत्सव से पहले, कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन और गुवाहाटी शहर पुलिस ने सोमवार को शहर की छठ पूजा उत्सव समितियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन ने सीसीटीवी लगाने, पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने, पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों को बढ़ावा देने, अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने, पूजा घाटों की रखवाली, जल निकायों में सुरक्षा सावधानियों, तंबाकू और शराब रहित क्षेत्रों आदि सहित कई दिशा-निर्देश और निर्देश जारी किए हैं और पूजा समितियों को इन सब निर्देशों और दिशानिर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बोरा ने बताया कि गुवाहाटी में छठ पूजा के सात घाट ह। आज प्रशासन ने सभी पूजा उत्सव समितियों को सुरक्षा और सुरक्षा उपायों के बारे में सूचित करने के लिए बुलाया है। प्रशासन ने पूजा समितियों के लिए सलाह जारी की है। हमने फैसला -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों का हमला, श्रद्धालुओं के साथ मारपीट

ब्रैम्पटन (हि.स.)। समूची दुनिया में *मिनी पंजाब* के नाम से मशहूर कनाडा में फिर हिंदुओं की आस्था पर चोट की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने इस बार ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर को निशाना बनाया है। इन लोगों ने हिंदू श्रद्धालुओं के साथ जमकर मारपीट की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हमले की कड़ी निंदा की है। हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि खालिस्तान समर्थक ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठन है। यह कनाडा में हिंदू समुदाय के लिए काम करता है। संगठन ने एक्स पर कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया। ओटावा में भारतीय उच्चायोग -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने की निंदा, कहा- ऐसे कृत्यों से कमजोर नहीं होगा हमारा संकल्प

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इसी तरह, हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भयावह हैं। इस प्रकार की हिंसा कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकती। हम -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अगले सप्ताह रिटायर होंगे सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली। अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में फैसला सुनाने वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ के आखिरी न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट को अलविदा कहेंगे। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत होंगे और यह संयोग ही है कि नौ नवंबर को अयोध्या पर आए -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिसबेन : जयशंकर ने महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक उद्घाटन किया

ब्रिस्बेन (हि.स.)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने यहां भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने इससे पहले आज सुबह यहां के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्री जयशंकर के आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस अवसर के फोटो और संक्षिप्त विवरण साझा किए गए हैं। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि -शेष पृष्ठ दो पर

वायु सेना का मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, जांच के आदेश

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में आगरा के पास सोमवार को वायु सेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था। दुर्घटना से पहले विमान के पायलट सहित दो लोग सुरक्षित कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए भारतीय वायु सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। वायु सेना के मिग-29 लड़ाकू विमान ने आज दोपहर पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी। विमान में पायलट -शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल ने चेन्नई बंदरगाह के बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी (सीएचपीए) और कामराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) में आवश्यक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन करने के लिए आज चेन्नई का दौरा किया। 187.33 करोड़ रुपए के संयुक्त निवेश के साथ शुरू की गई ये पहलें बंदरगाह बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, व्यापार संचालन को सुव्यवस्थित करने और भारत की ग्रीन पोर्ट पहलों को आगे बढ़ाने के लिए निर्धारित हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन के दौरान सोनोवाल ने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और समुद्री संपर्क बढ़ाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और वैश्विक व्यापार में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करने में इन परियोजनाओं की भूमिका पर जोर -शेष पृष्ठ दो पर

आरजी कर : पहली बार कैमरे पर बोला संजय, कहा-

मुझे फंसाया गया

कोलकाता। कोलकाता की अदालत ने 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ सोमवार को आरोप तय किए, जबकि आरोपी ने दावा किया कि वास्तविक दोषियों को बचाने के लिए उसे फंसाया जा रहा है। मामला। पीड़िता के पिता के वकील सौतिक बनर्जी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। सुनवाई 11 नवंबर से शुरू होगी। इस क्रूर बलात्कार और हत्या से देश भर में हंगामा मच गया था। कोलकाता पुलिस से जुड़े एक नागरिक स्वयंसेवक रॉय को अगले दिन गिरफ्तार कर -शेष पृष्ठ दो पर

शीतकालीन सत्र में 48 मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

सीएए व ओबीसी पर होगा हल्लाबोल !

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र, जो 25 नवंबर से प्रारंभ होगा, उसमें विपक्षी दल, 18 मंत्रालयों से जुड़े लगभग 48 मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेर सकते हैं। केंद्र सरकार ने भी विपक्ष को जवाब देने की तैयारी शुरु कर दी है। संसदीय कार्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, संबंधित मंत्रालयों और विभागों से कहा गया है कि वे उक्त मुद्दों पर एक ब्रीफ नोट तैयार कर प्रधानमंत्री कार्यालय *पीएमओ* के पास भेज दें। डेढ़ दर्जन मंत्रालयों को भेजी गई सवालों की सूची में *सीएए,* भारत और चीन के बीच एलएसी का मामला, ओबीसी आरक्षण, जरुरी वस्तुओं की कीमतों में इजाफा, स्वतंत्रता दिवस पर राहुल गांधी की सीटिंग पॉजिशन, साइबर सिक्योरिटी, डेटा प्राइवेसी, सेबी हिंडनबर्ग मामला, यूनिफॉर्म सिविल कोड, कोलेजियम सिस्टम, जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले, जल जीवन मिशन, कावेरी जल विवाद और वन नेशन वन इलेक्शन आदि मुद्दे शामिल हैं। संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा भेजे गए सवालों में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मौजूदा स्थिति को लेकर भी ब्रीफ नोट मांगा गया है। कृषि मंत्रालय के तहत जो मुद्दे उठाए जा सकते हैं, उनमें पीएम -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग आज

नई दिल्ली। अमेरिका में इस बार का राष्ट्रपति चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। 5 नवंबर को होने वाले इस चुनाव में अब बस कुछ ही घंटे बाकी हैं और रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी में कांटे की टक्कर चल रही है। हालिया सर्वे में भी डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस की लोकप्रियता 48 फीसद पर बराबरी पर है। इस चुनाव पर पूरी दुनिया की निगाहें है। इस चुनाव का असर पूरी दुनिया पर दिखाई दे सकता है, ऐसा इसलिए क्योंकि ट्रंप के जीतने पर अमेरिका की नीतियों में बदलाव देखने को मिल सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी ट्रंप का माइंडसेट अलग है। इस चुनाव में 6 दिन काफी अहम होने वाले हैं, जिसपर सभी की निगाहें है। आइए जानते हैं, कौन से हैं वो दिन जो इस चुनाव में काफी अहम हैं...

5 नवंबर को चुनाव- इस दिन करीब 26 करोड़ मतदाता राष्ट्रपति, कांग्रेस के 5 सदस्यों और दूसरे पदों के लिए मतदान करेंगे। इसके अगले 3 दिनों में संभावित परिणाम आते हैं। इस पहले के 6.6 करोड़ वोट भी गिने जाएंगे। 25 नवंबर- इस दिन पोस्टल बैलेट का अंतिम दिन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

यूपी समेत तीन राज्यों में उपचुनाव की तारीखों में बदलाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज सोमवार को उत्तर प्रदेश समेत 3 राज्यों में होने वाले उपचुनाव की तारीखों में बदलाव कर दिया है। पहले 13 नवंबर को वोटिंग होनी थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत कई प्रमुख राजनीतिक दलों की मांग के बाद आयोग ने वोटिंग की तारीखों में फेरबदल कर दिया। अब यहां पर 20 नवंबर को वोटिंग कराई जाएगी। मतों की गणना पहले से तय 23 नवंबर को ही कराई जाएगी। अलग-अलग त्योहारों की वजह से उत्तर प्रदेश के अलावा केरल और पंजाब में कई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग कराई जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी), राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के अलावा कई अन्य राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय दलों के अनुरोध पर आयोग ने तारीखों में बदलाव किया। राजनीतिक दलों की ओर से यह आशंका जताई गई थी कि त्योहारों की वजह से 13 नवंबर को होने वाली वोटिंग के दौरान कम मतदान हो सकता है। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव को लेकर भाजपा, बीएसपी और आरएलडी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में लोग कार्तिक पूर्णिमा के लिए तीन-चार दिन पहले यात्रा करते हैं, जो 15 नवंबर को मनाई जाएगी। इसी तरह केरल कांग्रेस के अनुसार, केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर वोटर्स का एक बड़ा हिस्सा 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रास्तोलवम का त्योहार मनाएगा। इसी तरह पंजाब में कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 15 नवंबर को श्री गुरुनानक देव का 555वां प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। इस वजह से 13 नवंबर से अखंड पाठ का आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की 10 रिक्त पड़ी सीटों में से 9 सीटों पर चुनाव कराया जा रहा है, जबकि पंजाब में विधानसभा की 4 सीटों पर उपचुनाव के दौरान वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा केरल में वायनाड लोकसभा सीट के अलावा 2 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराए जाने थे। यूपी में गाजियाबाद के अलावा फूलपुर, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग की ओर से पहले से घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन 3 राज्यों समेत कुल 15 राज्यों की 48 रिक्त पड़ी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराए जा रहे थे। साथ ही खाली पड़ी लोकसभा की 2 सीटों पर भी वोटिंग कराई जानी थी। इसके लिए 13 नवंबर को वोटिंग की तारीख तय की गई थी।

मालीगांव में अधगला शव मिलने से फैली सनसनी

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के जालुकबारी थानांतर्गत मालीगांव के एक नंबर गेट के पास हिल साइट कॉलोनी में सोमवार की शाम को एक घर से अधगला शव बरामद होने को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, घर से बदबू आने पर स्थानीय निवासियों ने संदेह होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जालुकबाड़ी थाने की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शव को बरामद किया। मृतक की पहचान आकन दास के रूप में की गई है। अनुमान है कि आकन दास की मृत्यु करीब तीन से चार दिन पहले हुई थी। जानकारी मिली है कि वे उस घर में अकेले रहते थे। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) भेज दिया है।

जुआ के अवैध कारोबार में शामिल लोगों ने पुलिस पर किया हमला : आसू

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर थाना क्षेत्र इलाके में दीपावली और काली पूजा के मौके पर विभिन्न इलाकों में जुआ खेले जाने की जानकारी सामने आई है। सोनपुर थाना क्षेत्र में जुआ खेल को लेकर अखिल असम छात्र संघ (आसू) की अंतर डिमोरिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष भार्गव ज्योति गोस्वामी ने एक बयान में जुआ को लेकर कई तरह के आरोप लगाया है। अध्यक्ष ने बताया दीपाली और काली काली पूजा के मौके पर चोरी छुपे अब जुआ खेल का अवैध कारोबार सोनपुर थाने क्षेत्र में ना हो इसको लेकर 30 अक्तूबर को हमारे संगठन की ओर से सोनपुर की एसीपी निखिल राजखोवा को अवगत कराया गया था। काली पूजा और दीपावली के मौके पर कई जगहों पर जुआ खेल को बंद कराने में सोनापुर पुलिस सफल रही। उन्होंने कहा कि काली पूजा के मौके पर थाना क्षेत्र के कलंपार इलाके में 02 नवंबर को आयोजित जुआ खेल को रोकने गई सोनापुर पुलिस की एक टीम पर जुआ आयोजित कराने वाले लोगों द्वारा हमला किया गया। जिसमें दो पुलिस कर्मी घायल हो गये। इसके बावजूद भी कई इलाकों में अब भी अवैध जुआ खेल चल रहा है। उन्होंने सवाल किया है कि आखिर इलाके में जुआ को पूरी तरह रोकने में पुलिस विफल क्यों हो रही है? उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या किसी प्रभावशाली व्यक्ति की छत्रछाया में जुआ का कारोबार चल रहा है या इसमें पुलिस की मिली भगत है। पुलिस पर हुए हमले की हम कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं। आरोपी को जल्द से जल्द पड़कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की भी मांग की।

आग में 15 दुकानें जलकर राख

धेमाजी (हिंस)। सिलापाथर थाना क्षेत्र के डिमौ चौराहे पर लगी भीषण आग में 15 दुकानें जलकर राख हो गईं। पुलिस ने आज बताया कि बीती देर रात लगी इस आग में तीन गैस सिलेंडरों और तीन मोटरसाइकिलों के तेल टैंक फट गए। 15 दुकानों की करोड़ों रुपए की संपत्ति जलकर देखते ही देखते राख हो गई। आग में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जल गए।

दुष्कर्म के दोषी को 30 वर्ष सश्रम कारावास

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिला जज कोर्ट ने दुष्कर्म मामले के एक दोषी को 30 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 30 हजार रुपए का अर्थ दंड भी लगाया है। मामले के अनुसार घर में किसी के न होने का फायदा उठाकर दोषी शंकर देबनाथ ने नाबालिग लड़की के साथ कई दिनों तक दुष्कर्म किया था। जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज करायी थी। विशेष अदालत के न्यायाधीश कौशिक हजारिका ने सिलापथार पुलिस स्टेशन में केस नंबर 423/2020 और स्पेशल पॉक्सो 02/2021 नंबर के मामले में 6 नंबर पॉक्सो की धारा के तहत फैसला सुनाया।

पांडू घाट पर काली मूर्तियों का ढेर

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के विभिन्न इलाकों तथा पांडू और मालीगांव के कई इलाकों में श्यामापूजा और दीपावली के मौके पर भव्य तरीके से काली पूजा संपन्न हुई। लाखों रुपए खर्च कर छोटी-बड़ी काली प्रतिमाओं का निर्माण किया गया और हर क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान लाखों रुपए की आतिशबाजी की गई। उच्च ध्वनि के साउंड बॉक्सों पर संगीत के साथ महिलाओं और पुरुषों के नृत्य ने वातावरण को जीवंत बना दिया। रविवार रात को काली प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ पूजा का संपन्न हुआ। हालांकि, विसर्जन के बजाए कुछ लोगों ने पांडू घाट और सड़कों पर ही मूर्तियां छोड़ दीं। फिलहाल, पांडू घाट के किनारों और सड़क किनारे सौ से भी अधिक छोटी-बड़ी मूर्तियों का ढेर लगा हुआ है। इस मामले में न तो किसी सरकारी विभाग और न ही किसी निजी संगठन ने अब तक मूर्तियों के उचित विसर्जन की व्यवस्था की है। स्थानीय जागरूक नागरिकों ने शिकायत की है कि हर साल लाखों रुपए खर्च कर पूजा का आयोजन किया जाता है, लेकिन मूर्तियों को इस तरह नदी किनारे और सड़कों पर छोड़ दिया जाता है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
Apollo HOSPITALS
ENT SPECIALIST
DR.NITHYA NARAYANAN, MBBS, DLO, DNB(ENT)
Will be available only for consultation at Guwahati
ON 10th November'2024
Patients suffering from hearing problem, patch in oral cavity, non healing oral ulcer, difficulty in swallowing, hoarseness of voice/change of voice, swelling on the neck, nasal bleeding, thyroid problems, persistant throat pain or related problems etc can register their names:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph: 8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

650 फीट गहरी...

हैं। बस जंगल से घिरे इलाके में चट्टानी ढलान से लुढ़कते हुए 200 मीटर तक लुढ़की और नाले के ठीक ऊपर अटक गई। बस के नदी में गिरते ही चींख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कुछ लोग बस से छिटककर और नीचे गिर गए। घायलों ने ही घटना की जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। बता दें कि सोमवार की सुबह आठ बजे बस कुपी गांव से आगे को निकली थी। आठ बजकर 10 मिनट पर गांव वालों को हादसे की सूचना मिल गई। जानकारी होते ही गांव वाले दौड़ते हुए दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मुश्किल से बस के अंदर फंसे शवों को निकाला गया। बचाव कार्य में धूमाकोट, सरियापानी, नैनीताल और रुद्रपुर पोस्ट से एसडीआरएफ की तीन टीमें भी रेस्क्यू में जुटी हुई थीं। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को उपचार के लिए तत्काल हेली एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स ऋषिकेश पहुंचाया गया। शेष अन्य घायलों को एम्स ऋषिकेश के अलावा रामनगर और हल्द्वानी में सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सभी का उपचार चल रहा है। उधर आज सुबह हुए बस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, अनेक केन्द्रीय मंत्रियों सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने गहरा दु:ख जताया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख व अपेक्षाकृत कम घायलों को 50 हजार रुपए सहायता राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हर संभव प्रयास में जुटा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना अत्यंत दु:खद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन द्वारा घायलों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा बस हादसे में मृतकों के प्रति गहरा दु:ख जताया। मुख्यमंत्री धामी ने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए व घायलों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। अल्मोड़ा में हुए बस हादसे में अब तक कुल 38 यात्रियों की मौत हो चुकी है जबकि 24 यात्री घायल हैं। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायलों को एम्स (ऋषिकेश) भेजा गया है। राहत व बचाव कार्य लगातार जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं राहत एवं बचाव कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। हादसे को लेकर पुलिस-प्रशासन व परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। हादसे का कारण क्षमता से अधिक सवारियों का होना (ओवरलोडिंग) बताया जा रहा है। यह एक 42 सीटर बस थी, जिसमें 60 के करीब यात्री सवार थे। दीपावली का त्योहार पूर्ण होने के चलते सवारियों की संख्या अधिक थी। इसके चलते मुख्यमंत्री धामी ने कार्रवाई करते हुए संबंधित उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) को तत्काल निलंबित करने के आदेश दे दिए हैं। साथ ही इस दुर्घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराए जाने की घोषणा की है।

एससी ने 9 दिसंबर...

विस्तृत रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें शिविर में महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया गया था। चिन्हित किये गए महत्वपूर्ण मुद्दों में महिला बंदियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की कमी तथा घोषित विदेशियों के लिए राज्य के सबसे बड़े हिरासत केंद्र में शैक्षिक और व्यावसायिक संसाधनों का अभाव शामिल था। यह निरीक्षण ठीक एक महीने बाद हुआ है जब सुप्रीम कोर्ट ने एसएलएसए को ग्वालपाड़ा में ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया था ताकि स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता सहित बुनियादी सुविधाओं का आकलन किया जा सके। एसएलएसए को एक महीने के भीतर अनुवर्ती रिपोर्ट देने का काम सौंपा गया था। इससे पहले, 26 जुलाई को, सुप्रीम कोर्ट ने ग्वालपाड़ा के अवैध अप्रवासियों के हिरासत केंद्रों की *दुखद स्थिति* की आलोचना की थी, तथा वहां अपर्याप्त जल आपूर्ति, अपर्याप्त शौचालय और खराब साफ-सफाई का उल्लेख किया था। अदालत ने इस बात पर जोर दिया था कि रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए लोगों के लिए भोजन और चिकित्सा सहायता के प्रावधान को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया गया है। सितंबर में तनाव तब बढ़ गया जब शिविर में म्यांमार से आए रोहिंग्या और चिन शरणार्थियों ने लम्बे समय तक हिरासत में रखे जाने के विरोध में भूख हड़ताल कर दी। प्रदर्शनकारियों ने नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) को स्थानांतरित करने तथा किसी तीसरे देश में पुनर्वास की मांग की।

मेघालय पुलिस ने ...

गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां पर अधिक जानकारी के लिए उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों में अंगूर हुसैन अफरीब (20, कुरीग्राम, बांग्लादेश), अमीर अली (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश), चांद मियां (60, कुरीग्राम, बांग्लादेश), बुकुल मियां (32, कुरीग्राम, बांग्लादेश), मीरजहां (45, कुरीग्राम, बांग्लादेश), रसेल अली (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश), बिप्लप मियां (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश) हैं। दरअसल, बीएसएफ ने रविवार को बांग्लादेशी नागरिकों के मेघालय के आने की गुप्त सूचना मिलने के बाद आम्पति के पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर भारत-बांग्लादेश सीमा पर संयुक्त रूप से अभियान चलाने के साथ ही स्थानीय लोगों को भी इस बारे में सूचना दी गयी थी। यह बांग्लादेशी नागरिक मेघालय के दूरदराज के इलाकों से होकर भारत में प्रवेश करने और काम की तलाश में दक्षिण भारत जाने की योजना बना रहे थे।

एनआरसी और यूसीसी लागू ...

एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं होगा तो घुसपैठिए पूरे झारखंड पर कब्जा कर लेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हेमंत सोरेन चाहते हैं कि घुसपैठिए आएं क्योंकि वे उनके वोट बैंक हैं। वहीं, भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने वाला है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी अपने मूल मंत्र पर चलते हुए विकास की बात कर रही है, देश और प्रदेश के निवासियों को जोड़ने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष का एक ही मकसद है- पहले बांटो, उसके बाद जो घुसपैठिये घुस जाएं, वो काटें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कहा है कि घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर करेंगे। दूसरी ओर, जेएमएम और कांग्रेस का मूल मंत्र है- घुसपैठियों का चुन-चुन कर ब्याह करेंगे। भाजपा नेता ने साफ तौर पर दावा किया कि कांग्रेस हो, जेएमएम हो या आरजेडी हो... ये सभी तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। इनको घुसपैठियों से कोई परहेज नहीं है, ये घुसपैठियों को गले लगाते हैं... क्योंकि घुसपैठिये इनका वोटबैंक हैं। उन्होंने कहा कि जेएमएम और कांग्रेस की एक ही गारंटी है- वो गारंटी है भ्रष्टाचार की, वो गारंटी है वंशवाद की, वो गारंटी है तुष्टिकरण की, वो गारंटी है हेरा-फेरी की। उन्होंन दावा किया कि जनगणना के आंकड़ों से संथाल परगना में एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव का पता चलता है। 2001 और 2011 के बीच, अनुसूचित जनजाति की आबादी 46 प्रतिशत से घटकर 42 प्रतिशत हो गई, जबकि मुस्लिम आबादी 33 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई। यह परिवर्तन क्षेत्र की बदलती जनसांख्यिकी, प्राथमिकताओं और अन्य कारकों के बारे में बहुत कुछ बताता है।

कामरूप जिला प्रशासन ...

किया है कि, प्रशासन और पूजा समितियां यह सुनिश्चित करेंगी कि पूजा अच्छी तरह से हो और कोई अप्रिय स्थिति न हो। इस बीच, गुवाहाटी में छठ पूजा मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं और घाटों पर जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है तथा अस्थायी ढांचे बनाने के त्रिए मजदूरों को लगाया गया है। दूसरी ओर, छठ पूजा उत्सव के लिए विभिन्न वस्तुओं, फलों आदि की खरीदारी करने के लिए लोग बाजार में उमड़ पड़े हैं। छठ पूजा में महिलाओं की भागीदारी अधिक होती है, इसे धूमधाम से मनाया जाता है, और इसे घर के कामों से छुट्टी कर तरोताजा होने का अवसर भी माना जाता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में मनाया जाता है, साथ ही इन क्षेत्रों के प्रवासी भी इसे मनाते हैं। छठ पूजा चार दिनों तक चलती है और यह सबसे महत्वपूर्ण और कठोर त्योहारों में से एक है, जिसमें पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए सूर्य देव के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए कठोर अनुष्ठान और उपवास शामिल हैं।

मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों ...

का इस घटना पर बयान आया है। उच्चायोग ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और काउंसुलर कैंप के बाहर भारतविरोधी तत्वों का हिंसक व्यवधान बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं। कनाडा के प्रमुख विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने हिंदू सभा मंदिर पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि कनाडा हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा। टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कनाडा आज कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। कनाडा के नेता हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे। भारत ने ओंटारियो (कनाडा) के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में रविवार को खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा की और उम्मीद जताई है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई होगी। भारत ने कनाडा में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है और कनाडा सरकार से सभी के पूजा स्थलों को हमलों से बचाने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के प्रश्नों पर कहा कि हम कल ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से रोका नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों ने रविवार (3 नवंबर) को हिंसक व्यवधान पैदा किया था। 2-3 नवंबर को वैंकूवर और सरे में आयोजित इसी तरह के शिविरों को भी बाधित करने का भी प्रयास किया गया था। भारतीय दूतावास की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया था कि नियमित वाणिज्य दूतावास कार्य के लिए इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना बेहद निराशाजनक है। हम आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। इसमें आगे कहा गया कि भारत विरोधी तत्वों के प्रयासों के बावजूद वाणिज्य दूतावास भारतीय और कनाडाई आवेदकों को एक हजार से अधिक जीवन प्रमाण-पत्र जारी करने में सक्षम रहा। दूतावास ने कहा कि अगर ऐसे व्यवधानों के कारण किसी शिविर का आयोजन करना संभव नहीं होता तो उन सेवाओं को प्रदान करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। यह दुर्भाग्य ही होगा कि इससे इन सेवाओं के स्थानीय उपयोगकर्ताओं को असुविधा पहुंच सकती हैं।

पीएम ने की निंदा...

कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून का शासन बनाए रखने की उम्मीद करते हैं। पीएम मोदी की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब लगातार दूसरे दिन खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां मंदिर में मौजूद हिंदुओं को घायल कर दिया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि दूसरे दिन के हमले के दौरान पुलिस मंदिर परिसर और आसपास मौजूद थी। लेकिन उसके बाद भी उन पर हमले किए गए।

वायु सेना का मिग-29...

समेत 2 लोग मौजूद थे लेकिन भारतीय वायु सेना के पायलट समेत दोनों लोगों ने खेत में कूदकर जान बचाई। वायु सेना ने एक बयान में बताया कि मिग-29 विमान के सिस्टम में आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आगरा के पास खराबी आ गई। सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने से पहले पायलट ने विमान को नियंत्रित किया, ताकि जमीन पर जान-माल को कोई नुकसान न पहुंचे। बयान में बताया गया है कि पायलट सहित दोनों लोगों के सुरक्षित कूदने के बाद लड़ाकू विमान उत्तर प्रदेश के आगरा में कागारौल के सोनिगा गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान क्रैश होकर खाली खेतों में गिरा, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटनास्थल की तस्वीरों में दुर्घटनाग्रस्त विमान से धुएं का गुबार निकलता दिख रहा है और कुछ लोग घटनास्थल पर एकत्र हैं। यह पहली बार नहीं है कि जब मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद आग की लपटों में घिर गया हो। इससे पहले 2 सितंबर को राजस्थान के बाड़मेर में एक मिग-29 लड़ाकू विमान तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। इसी तरह राजस्थान के बाड़मेर सेक्टर में वायु सेना के अड्डे से प्रशिक्षण मिशन पर निकले लड़ाकू विमान में खराबी आ गई और बाड़मेर के उत्तरलाई के पास आबादी से दूर एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त होने के तुरंत बाद उसमें आग लग गई थी।

सोनोवाल ने चेन्नई ...

दिया। उन्होंने चेन्नई बंदरगाह पर 73.91 करोड़ रुपए की परियोजना लागत से चार नए एक्जिम गोदामों के निर्माण के साथ शुरू हुई कई उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का उद्घाटन किया। 18,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र को कवर करते हुए, ये गोदाम कृषि उत्पादों और खाद्यान्न सहित संवेदनशील कार्गो के लिए आवश्यक भंडारण सुविधा प्रदान करेंगे, जिन्हें स्वच्छ और ढके हुए भंडारण की आवश्यकता होती है। सागरमाला योजना के तहत पूरी तरह से वित्त पोषित यह परियोजना, बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रमुख बंदरगाहों पर अपनी व्यापार क्षमता का विस्तार करने के भारत के लक्ष्य के साथ जुड़ी हुई है। गोदामों के अलावा उन्होंने नवनिर्मित कंक्रीट तटीय सड़क का लोकार्पण किया। यह सड़क 350 मीटर लंबाई और 12 मीटर चौड़ाई में फैली हुई है। 04 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की गई यह सड़क चेन्नई बंदरगाह पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल (सीआईटीपीएल) तक भारी कार्गो और कंटेनर आवागमन की सुविधा प्रदान करती है। नई सड़क पहुंच को सुगम बनाती है, धूल प्रदूषण को कम करती है और पर्यावरण अनुकूल बनाती है, जिससे बंदरगाह के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार होता है। सोनोवाल ने कुशल परिवहन की सुविधा हेतु 88.91 करोड़ रुपए के निवेश के साथ केपीएल में दक्षिणी रेलवे संपर्क के दोहरीकरण का उद्घाटन किया। यह विस्तार बढ़ती एक्जिम व्यापार मांगों को समायोजित करने के लिए 2.65 किलोमीटर रेलवे लाइन जोड़ता है। इसमें कोसास्थलाई नदी और बकिंघम नहर पर तीन नए रेल पुलों का निर्माण और मानव रहित क्रॉसिंग को इंटरलॉक्ड क्रॉसिंग में बदलना शामिल है। यह परियोजना बंदरगाह की रेल हैंडलिंग क्षमता को प्रति दिन 22 से 44 रेक तक बढ़ा देगी, जिससे बंदरगाह के भीतर तेज और सुरक्षित कार्गो सुविधा मिलेगी। मंत्री महोदय ने केपीएल में कोयला जहाजों के लिए एक तटीय विद्युत सप्लाई फैसिलिटी का भी उद्घाटन किया, जिसे 20.51 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित किया गया है। भारत के ग्रीन पोर्ट दिशानिर्देशों के अनुरूप, यह सुविधा बर्थ सीबी1 और सीबी2 पर तटीय विद्युत सुविधा प्रदान करती है, उत्सर्जन को कम करती है और जहाजों को डीजल इंजनों पर निर्भरता के बिना संचालित करने की सुविधा देती है।

मुझे फंसाया ...

लिया गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। संघीय एजेंसी ने 7 अक्तूबर को मामले में अपना पहला आरोप पत्र दाखिल किया। घटना का विवरण कैमरे पर रिकॉर्ड किया जाएगा। सीबीआई ने अपने 45 पन्नों के आरोप पत्र में कहा कि रॉय के खिलाफ कम से कम 11 सबूत हैं। सूची में सीसीटीवी फुटेज, डीएनए नमूने, खून के धब्बे और बाल शामिल थे, जैसा कि एचटी ने पहले बताया था। रॉय ने मीडिया से कहा कि मैं निर्दोष हूं। वास्तविक दोषियों को बचाने के लिए मुझे फंसाया जा रहा है। मैं इतने दिनों तक चुप रहा. मुझसे कुछ भी न बोलने के लिए कहा जा रहा है. मुझे निर्देशित किया जा रहा है कि क्या कहना है। मैंने अदालत को बताया कि मैंने कुछ नहीं किया है लेकिन मेरी बात नहीं सुनी गई। रॉय को सियालदह में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की अदालत में शारीरिक रूप से पेश किया गया था, ने जेल वैन में अदालत से प्रेसीडेंसी सुधार गृह में स्थानांतरित होने के दौरान चिल्लाना और मीडिया को संबोधित करना शुरू कर दिया। हालाँकि, आरोप पत्र में कहा गया है कि रॉय का डीएनए पीड़िता के शरीर में पाया गया था और पीड़िता के खून के धब्बे रॉय की जींस पैंट और जूते पर पाए गए थे। अपराध स्थल से पाए गए छोटे बालों की दो किस्में भी रॉय से मेल खाती थीं।

शीतकालीन सत्र में ...

किसान निधि, किसानों की आय को डबल करना व मिनिमम स्पोर्ट प्राइस शामिल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को आवश्यक वस्तुओं की बढ़ रही कीमतों को लेकर नोट तैयार करना है। रक्षा मंत्रालय से भी कई सवालों का जवाब मांगा गया है। इनमें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बैठने की स्थिति, महाराष्ट्र में शिवाजी की मूर्ति का गिरना और चीन के साथ एलएसी विवाद शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय से साइबर सिक्योरिटी और डेटा प्राइवेसी व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े मुद्दों पर सवाल पूछा गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए ग्लोबल वार्मिंग और दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर जानकारी मांगी गई है। विदेश मंत्रालय से बांग्लादेश का मामला, इजरायल और हमास का युद्ध, इजरायल व ईरान की लड़ाई, रूस व यूक्रेन वॉर और भारत चीन के संबंध, जैसी जानकारी मांगी गई है। वित्त मंत्रालय से सेबी हिंडनबर्ग मामला, सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस योजना, अर्थव्यवस्था पर कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी का असर और ईडी का दुरुपयोग आदि मुद्दों से जुड़े सवालों पर ब्रीफ नोट मांगा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय से तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट पर जानकारी तलब की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के लिए भेजे गए सवालों की सूची सबसे लंबी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव...

होता है। 17 राज्यों में पोस्टल बैलेट से हुई वोटिंग की गिनती इसी दिन होती है। स्विंग स्टेट्स में ये वोट अहम होते हैं, हालांकि अंतिम नतीजों पर इसका ज्यादा असर नहीं होता। 11 दिसंबर- इस दिन 50 राज्यों के गवर्नर राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों पर अंतिम मुहर लगाते हैं। इसी दिन गवर्नर को इलेक्टोरल कॉलेज वोट जमा करने होते हैं। 17 दिसंबर- इस दिन 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट वाशिंटगन पहुंचते हैं। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को 270 वोटों की जरूरत होती है। 6 जनवरी- इस दिन इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों की गिनती होती है। इसके बाद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट का संयुक्त सत्र बुलाया जाता है। 20 जनवरी- इस दिन अमेरिका को नया राष्ट्रपति मिल जाएगा। इस दिन अमेरिका के नए राष्ट्रपति शपथ लेकर पदभार ग्रहण करेंगे। ट्रंप और कमला हैरिस में अब कांटे की टक्कर चल रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स के सर्वे के अनुसार, अब दोनों की लोकप्रियता 48 फीसद पर बराबर है। वहीं, कई पोल्स में तो ट्रंप ने बढ़त बना ली है।

अगले सप्ताह रिटायर...

फैसले को पांच वर्ष पूरे होंगे। गत जुलाई में ही जस्टिस चंद्रचूड़ अयोध्या गए थे और रामलला के दर्शन किए थे। शायद वह पहले सीजेआई हैं, जो रामलला के दर्शन करने अयोध्या भी गए। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने नौ नवंबर 2019 को अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में फैसला दिया था। फैसला सुनाने वाली पीठ में पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई (फैसले के वक्त जस्टिस गोगोई प्रधान न्यायाधीश थे, उन्होंने पीठ की अगुवाई की थी), पूर्व प्रधान न्यायाधीश एसए बोबड़े, वर्तमान प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर शामिल थे। जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा पीठ में शामिल बाकी चार न्यायाधीश पहले ही सेवानिवृत हो चुके हैं। गत जुलाई में जस्टिस चंद्रचूड़ ने अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन किए थे। अभी हाल ही में अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट की दशहरे की छुट्टियों में जस्टिस चंद्रचूड़ ने पैतृक गांव के दौरे के दौरान कहा था कि अयोध्या विवाद के समाधान के लिए उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी। उनका यह बयान काफी चर्चित हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने नौ नवंबर 2019 को दिए फैसले में विवादित भूमि को राम जन्मभूमि माना था और उस पर राम मंदिर निर्माण का रास्ता प्रशस्त किया था।

ब्रिसबेन : जयशंकर ने ...

आज ब्रिस्बेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। इससे क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने लिखा कि इस अवसर पर ब्रिस्बेन में क्वींसलैंड की गवर्नर डॉ. जेनेट यंग से भी मिलकर खुशी हुई। हमने क्वींसलैंड राज्य के साथ आर्थिक, व्यापार और निवेश सहयोग को मजबूत करने के अवसरों और तरीकों पर चर्चा की। मैंने आज सुबह ब्रिस्बेन में रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शांति और सद्भाव का उनका संदेश दुनिया भर में गूंजता है।

जेबी लॉ कॉलेज में करोड़ों का घोटाला : प्रिंसिपल समेत 3 निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जगन्नाथ बरुवा लॉ कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मालविका तालुकदार को निलंबित कर दिया गया है। कॉलेज में हुए करोड़ों रुपए के कथित वित्तीय घोटाले को लेकर उनके खिलाफ यह फैसला लिया गया है। जेबी लॉ कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मालविका तालुकदार के साथ कॉलेज के दो अन्य कर्मचारियों, प्रैक्टिकल कोर्स कोऑर्डिनेटर रंजन ज्योति दास और गणिक प्रदीप बेजबरुवा को भी निलंबित कर दिया गया है। पूरे मामले की समीक्षा के लिए पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति ने आर्थिक पहलुओं की समीक्षा करने के साथ ही ऑडिट भी किया। इस ऑडिट रिपोर्ट की जांच से वित्तीय घोटाले प्रमाणित हो गए। इसके तुरंत बाद, कॉलेज गवर्निंग बॉडी ने उन्हें निलंबित करने का फैसला किया और उन्हें पद से निलंबित करने के फैसले को मंजूरी दी। प्रिंसिपल के साथ निलंबित तीनों ने 2019 से 2024 के बीच पूरे घोटाले को अंजाम दिया था। जांच कमेटी ने इनके खिलाफ कुल 67 पेज की रिपोर्ट सौंपी है।

कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह का दावा
कांग्रेस इस बार उपचुनाव में पांचों सीट जीतेगी

कछार (हिंस)। विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर धलाई में सोमवार को कांग्रेस की एक चुनावी रैली आयोजित की गयी। धलाई के दरमी मैदान में आयोजित चुनावी रैली में हिस्सा लेते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेंद्र सिंह ने पार्टी उम्मीदवार ध्रुवज्योति पुरकायस्थ के पक्ष में प्रचार किया। रैली में जितेंद्र सिंह के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव पृथ्वीराज साठे और असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा भी उपस्थित थे। चुनावी रैली में जितेंद्र सिंह ने धलाई में स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार ध्रुवज्योति पुरकायस्थ स्थानीय हैं और भाजपा उम्मीदवार निहार रंजन दास बाहरी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 में असम में कांग्रेस की सरकार होगी। सिंह ने कहा कि इस उपचुनाव से कांग्रेस के जीत की रास्ता शुरू होगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस इस बार उपचुनाव में पांचों सीटें जीतेगी। रैली को संबोधित करते हुए एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विगत दिनों में धलाई में कोई विकास नहीं किया है। बोरा ने कहा कि इस बार के उपचुनाव में जनता भाजपा को जवाब देगी। बोरा ने रैली में दावा किया कि इस बार धलाई के लोग ध्रुवज्योति पुरकायस्थ की जीत सुनिश्चित करेंगे।

बिहाली विस उपचुनाव : अजीत भुइयां, लुरिन ने किया रोड शो

शोणितपुर (हिंस)। असम सम्मिलित मंच के अध्यक्ष अजीत भुइयां और महासचिव लुरिनज्योति गोगोई असम संयुक्त मंच के बिहाली सीट के उम्मीदवार लक्ष्मीकांत कुर्मी (भाकपा-माले) के लिए प्रचार करने आज बिहाली पहुंचे। बरगांग में उम्मीदवार कुर्मी के साथ अजीत भुइयां, लुरिनज्योति गोगोई और विवेक दास ने एक विशाल रोड शो में भाग लिया। रोड शो के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजीत भुइयां ने कहा कि राजनीति अब ऐसे मुकाम पर पहुंच गई है कि अब पैसा ही सब तय करता है। भ्रष्टाचारियों ने पैसे के बल पर जीत हासिल की है। आज भाजपा का क्या मतलब है, भाजपा का मतलब है कि आपको चुनाव आयुक्त से लड़ना होगा। सीबीआई, ईडी, गोदी मीडिया, इनकम टैक्स, ईसी ये भाजपा हैं। भुइयां ने सवाल किया कि भाजपा के पास खुद क्या है? इस दौरान असम संयुक्त मंच के महासचिव लुरिनज्योति गोगोई ने भी भाजपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा

कि हम सभी को एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ना होगा। सांसद रकीबुल हुसैन द्वारा ईवीएम से छेड़छाड़ के मुद्दे पर पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि सॉफ्टवेयर डिजाइनिंग में शामिल एलोन मस्क ने भी कहा है कि ईवीएम मशीनों को हैक किया जा सकता है। इससे छेड़छाड़ की जा सकती है। इसके सॉफ्टवेयर से किसी भी तरह से छेड़छाड़ की जा सकती है। इसके अलावा भी लुरिन ने कई राजनीतिक बयान दिए।

बच्चों को चुनाव कार्यों में लगा रही है कांग्रेस : भाजपा

नगांव (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि आसन्न विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार बच्चों को चुनाव कार्यों में लगा रहे हैं। भाजपा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके बेटे तथा सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार तंजील हुसैन के विरुद्ध चुनाव आयोग (ईसीआई) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस उम्मीदवार अपने चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो अनैतिक और राजनीतिक आचरण के स्थापित मानदंडों के खिलाफ है। शिकायत में कहा गया है कि राजनीतिक रैलियों में बच्चों का इस्तेमाल होना गलत है। शिकायत में कहा गया है कि राजनीतिक रैलियों में बच्चों की भागीदारी आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है, क्योंकि यह उनकी मासूमियत का फायदा उठाता है और चुनावी प्रक्रिया की स्वच्छता को कमजोर करता है। यह प्रथा अनैतिक है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। तंजील हुसैन असम विधानसभा में सीट हासिल करने के लिए चुनावी मैदान में पहली बार उतर रहे हैं। भाजपा की शिकायत में प्रचार में नैतिक मानदंडों को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

विधायक अखिल गोगोई ने मानकाचर में सीमावर्ती इलाकों का किया दौरा

दक्षिण सालमारा (हिंस)। राइजर दल के अध्यक्ष एवं अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई ने दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के मानकाचर में भारत-बांग्लादेश सीमा का सोमवार को दौरा किया। उन्होंने शिशुमारा इलाके में नदी के तट कटाव स्थल का भी दौरा किया। शिशुमारा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकी पर पहुंचकर सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं जवानों से विधायक ने बातचीत भी की। विधायक ने इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा किया और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से भी बातचीत की। विधायक ने सीमा पर चल रहे कटाव के लिए स्थायी प्रतिरोध की मांग की।

पर्यटन मित्र : पर्यटन मंत्रालय की नई पहल से समृद्ध होंगे गंतव्य

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय जिम्मेदार पर्यटन पहल *पर्यटन मित्र* का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े सभी प्रमुख हितधारकों जैसे टैक्सी, ऑटो चालक, होमस्टे संचालक, ढाबा मालिक, कैटरिंग सेवाएं, गाइड, पोर्टर, हस्तशिल्प और स्मृति चिह्न बनाने वाले, स्वयं सहायता समूह के सदस्य आदि के सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाना है। इससे पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध किया जा सकेगा और स्थानीय समुदायों को लाभ मिलेगा। पर्यटन मित्र पहल से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा मिले, जो न केवल यात्रियों के लिए बल्कि, स्थानीय समुदायों के लिए भी फायदेमंद हो। मंत्रालय ने इसे पहले छह प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया था, जहां से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इसके बाद, इस पहल को 50 गंतव्यों पर विस्तृत रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें पायलट चरण में चुने गए स्थल भी शामिल हैं। असम में, गुवाहाटी को इस पहल के तहत चुना गया है। इसके तहत, पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार का पर्यटन विभाग और होटल प्रबंधन कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं एप्लाइड न्यूट्रिशन संस्थान (आईएचएमसीटी एंड एएन), गुवाहाटी ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज आईएचएमसीटी एंड एएन, गुवाहाटी के कैंपस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के जरिए हितधारकों को पर्यटकों के साथ बेहतर संवाद और उनके अनुभव को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल सिखाए गए। पर्यटन मंत्रालय की यह पहल भारतीय पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तोरोनी रास महोत्सव के आयोजन को लेकर समिति का गठन

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के तोरोनी स्थित श्री श्री हरिमंदिर प्रांगण में परंपरागत रूप से ऐतिहासिक रास महोत्सव का व्यापक आयोजन किया गया है। महोत्सव का आयोजन आगामी 15 नवंबर से 25 नवंबर तक 11 दिवसीय भव्य एवं आकर्षक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। जिसके सुचारू रूप से संचालन के लिए तोरोनी हरि मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष अश्विनी कलिता और सचिव मनटेश्वर कलिता की उपस्थिति में हाल ही में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अंचल के बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी से विचार-विमर्श करते हुए महोत्सव के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ सर्वसम्मती से एक शक्तिशाली आयोजन समिति का गठन किया गया। इसवर्ष महोत्सव के आयोजन समिति में अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष सनातन कलिता, मुख्य सचिव बलेन शील, उपाध्यक्ष द्वय तरुण कलिता और रजनी महंतो, कोषाध्यक्ष नरेन तालुकदार,

सहसचिव त्रय परेश कलिता, मकुंद राजबंशी और किशोर कलिता को पदभार दिया गया है। नवगठित समिती से मिली जानकारी के अनुसार महोत्सव को लेकर मंदिर प्रांगण में तैयारियां शुरू कर दी गई है। तोरोनी रास महोत्सव में इसबार भी मंदिर प्रांगण में विभिन्न आकर्षक सजावट के अलावा श्री कृष्ण और देवी देवताओं की लीलाओं का चित्रण करती विभिन्न झांकियां आकर्षक का केंद्र होंगी। वहीं महोत्सव के 11 दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत 22 और 23 नवंबर को सूर्य थियेटर का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आगामी 24 नवंबर को कोकिल कंठी गायिका तराली शर्मा और जानी मानी गायिका मर्मिता मित्र के अलावा आगामी 25 नवंबर को बॉलीवुड के जानेमाने गायक कलाकार पवन दीप के सुमधुर गीत मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। महोत्सव के कार्यक्रमों के अंतर्गत पूजा अर्चना, उजापाली, भागवत पाठ, महिलाओ द्वारा नगाड़ा नाम, पुरुष का नगाड़ा नाम, अखिल असम स्तरीय आधुनिक नृत्य प्रतियोगिता, विभिन्न दल का सांस्कृतिक कार्यक्रम, दिहानाम प्रतियोगिता, आयती द्वारा नाम और सिंहासन नाट्य दल का नाटक प्रदर्शन आदि आयोजन विशेष आकर्षक रहेगा। उल्लेखनीय है कि महोत्सव को लेकर अंचल में लोगों के बीच विशेष उत्साह का माहौल बना हुआ है। समिति द्वारा कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिति के साथ सभी से सहायता, सहयोगिता और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

महेश योग सत्संग समिति का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। महेश योग समिति ने 1994 सन मे अपने स्थापना काल के बाद पहली बार दीपावली मिलन समारोह महेश्वरी भवन में आयोजित किया। इस अवसर पर प्रात: काल सामूहिक प्रार्थना के पश्चात मंच पर महेश योग समिति के सहआचार्य मदन मोहन मल्ल, शंकर बिल, ताराचंद ठोलिया, कुंज बिहारी काबरा, कुसुम जालान, अनीता अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल के अलावा सरस्वती देवी, सरस्वती बिल, विवेकानंद केंद्र के सुब्रतो मुखर्जी एवं कार्यक्रम संयोजक लूणकरण मुंदड़ा उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने स्वयं का परिचय देकर सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मदन मोहन मल्ल ने कहा कि महेश

योग समिति अपने स्थापना काल से हर वर्ष होली मिलन समारोह का आयोजन ही करती आ रही है। मगर 30 बर्ष से लगातार योग चर्चा एवं प्रात: कालीन प्रार्थना आयोजित करते हुए पहली बार दीपावली मिलन समारोह का आयोजन अपने साधकों के बीच आपसी भाईचारा को और मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। इस मिलन समारोह में 50 से अधिक साधक उपस्थित थे। दीपावली मिलन से पहले सामूहिक रूप से प्रात: कालीन प्रार्थना की गई। इस अवसर पर सबसे बुजुर्ग साधक नेपाल चंद्र रॉय का संयोजक लूणकरण मुंदड़ा ने सम्मान किया।

विश्वनाथ : चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ का आज नहाय खाय के साथ शुभारंभ

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले में सूर्योपासना व आस्था का महापर्व की छठ पूजा का रौनक देखते ही बन रहा है। इधर जिले के सभी घाटों में स्वच्छता तथा व्रतधारियों की व्यवस्था अंतिम चरण में है। जिले के मुख्य सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर में आज श्रद्धालु छठ के सामग्री के साथ कल के नहाय खाय के लिए लौकी खरीदते दिखाई दी। विशेष बात यह है कि दूसरे दिन की तुलना बाजार सामग्री व लौकी का भाव उच्च था। इधर व्रतधारी गुरुवार को उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के

लिए नीति नियम और विधिवत रूप से कार्य में लगे हुए नजर आ रही है।साथ ही बुधवार को खरना के बाद 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ हो जाएगा।प्राय: सभी व्रतधारी के पुत्र तथा पति छठ घाट पहुंच कर छठ मईया के बेदी बनाते हुए दिख रहें हैं। विश्वनाथ चारिआलि के आमबाड़ी में स्थित श्री श्री केंद्रीय छठ पूजा घाट पर प्राय: 250 व्रतधारी और पश्चिम चाराली छठ पूजा समिति के फलफली बाकरी में प्राय: 400 व्रतधारी छठ मइया के आराधना में शामिल होगी। पूजा समिति ने व्रतियों के लिए सभी प्रकार के सुविधाएं उपलब्ध की व्यवस्था की है। सुबह व्रतधारी को पंक्तिबद्ध तरीके से पूजारी रामानंद ओझा जी ने दूध से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कराया। घाट पर छठ पूजा का छटा छाया रहा। उल्लेखनीय है कि असम अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, हेलम, बेदेती, बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी, सोतिया, ईटाखोला और विश्वनाथ घाट में भी आस्था का महापर्व छठ की तैयारी जोड़ो पर है।

नगांव में हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में काफी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। पहले अभियान में बटद्रवा थाना के इंस्पेक्टर बीरेन कलिता के नेतृत्व में एक टीम ने 12.50 ग्राम हेरोइन बरामद की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दूसरे अभियान में रूपहीहाट से इंस्पेक्टर संजीत राय के नेतृत्व में एक टीम ने 23.05 ग्राम हेरोइन बरामद की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। यह अभियान नगांव पुलिस द्वारा क्षेत्र में ड्रग माफिया के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का हिस्सा है। पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

बंगाईगांव में तीन दिवसीय श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव आयोजित

बंगाईगांव। श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा एवं युवा परिषद के तत्वाधान में बंगाईगांव में 5148 वां महाराज श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। तीन चरणों में आयोजित 3 अक्तूबर से शुरू हुए कार्यक्रम के अंतर्गत 26 और 27 अक्तूबर को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा 3 नवंबर रविवार को मुख्य जयंती समारोह एवं दीपावली मिलन समारोह के साथ तीन दिवसीय श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सर्वप्रथम श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा, युवा परिषद के अध्यक्ष क्रमश: मनोज कुमार हरलालका, श्रीमती अनीता अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल ने संयुक्त रूप से ध्वजा रोहण किया जिसमें सचिव विकास सुरेखा एवं श्रीमती काजल अग्रवाल ने सहयोग किया। युवा परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं स्थानीय गायक कलाकार नवीन अग्रवाल की अगुवाई में ध्वजा गान प्रस्तुत किया गया, जिसमें उपस्थित सभी अग्र बंधुओं ने हिस्सा लिया। इसके बाद समाज के विशिष्ट सदस्यों प्रेमनाथ हरलालका, बनवारीलाल बुधिया, मेघराज सुरेका, श्रीमती विमला देवी चांदगोढ़िया दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया। राजकुमार बजाज, ओम प्रकाशजी हरलालका, श्रीमती सरोज हरलालका (बड़ा बाजार) ने गणेशजी, लक्ष्मीजी, अग्रसेनजी की प्रतिछवि पर माल्यार्पण किया तथा राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया गया। गत एक वर्ष में ब्रह्मलीन हुए समाज के सभी लोगों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत गणेश वंदना के साथ भव्य सांस्कृतिक समारोह की शुरुआत हुई। सांस्कृतिक संध्या में छोटे बच्चों से लेकर बड़ों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी तथा समाज की बहु एवं बेटियों ने भी सक्रियता के साथ इनमें हिस्सा लिया। बच्चों द्वारा मारवाड़ी भाषा में प्रस्तुत जल संरक्षण पर नाटक

सराहनीय रहा। श्री अग्रवाल युवा परिषद द्वारा प्रत्येक रविवार को संचालित फूड बैंक के सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने पर सदस्यों को आदर पूर्वक मंच पर आमंत्रित किया गया। इसके बाद समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस वर्ष डॉक्टर एम एल अग्रवाल एवं डॉक्टर श्रीमती सुधा अग्रवाल के परिवार द्वारा प्रायोजित विशेष पुरस्कार पाने वाले छात्र के नाम की भी घोषणा की गई। श्री अग्रवाल समाज सभा में विशेष योगदान के लिए वर्ष 2022-2024 के लिए अध्यक्षीय पुरस्कार की घोषणा की गई। इसके अंतर्गत समाज की विशिष्ट सदस्य राजकुमार बजाज, महेश कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल को मनोज हरलालका द्वारा अध्यक्षीय पुरस्कार से नवाजा गया। अग्रवाल सभा सभा के सचिव विकास सुरका, महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती अनीता अग्रवाल के अलावा समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका ने समारोह को संबोधित किया एवं समाज के सभी लोगों से आग्रह किया की सभा द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में में तन मन से सक्रियता के साथ हिस्सा लें। समारोह का रंगारंग संचालन सांस्कृतिक सचिव महेश कुमार अग्रवाल एवं श्रीमती आयुषी बंसल ने सफलता के साथ किया। कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के लिए प्रश्न उत्तर के सुंदर कार्यक्रम के साथ नि:शुल्क लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया था जिसका उपस्थित सभी लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इस बार विशेष बात यह रही कि सांस्कृतिक कार्यक्रम को मारवाड़ी भाषा में भी संचालित किया गया। सांस्कृतिक टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

असम लोकसेवा आयोग
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 57PSC/CON/Exam-13/2024-2025

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 4th November, 2024, the results of the Screening Test (OMR based) for recruitment to the post of **Veterinary Officer/Block Veterinary Officer, Class-B, Class-I (Jr. Grade) under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam, Guwahati (Advt. No. 06/2024 Dtd. 04/03/2024)** conducted by the Commission on 14/09/2024. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear in the Interview to be conducted by the Commission. The date(s) of Interview will be notified shortly.

Roll Number of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally) :

10001	10002	10004	10005	10006	10007	10008	10009	10010	10011
10012	10015	10017	10020	10022	10023	10024	10025	10026	10027
10030	10031	10033	10038	10039	10040	10041	10045	10047	10048
10051	10052	10054	10055	10058	10062	10063	10064	10066	10067
10070	10072	10073	10075	10076	10077	10081	10082	10083	10084
10085	10087	10089	10090	10092	10093	10094	10095	10096	10097
10098	10103	10106	10107	10109	10110	10111	10113	10115	10116
10119	10120	10121	10123	10128	10130	10133	10134	10135	10136
10137	10138	10139	10140	10141	10143	10146	10149	10151	10153
10158	10159	10161	10163	10164	10165	10167	10168	10172	10173
10174	10176	10179	10180	10181	10182	10183	10185	10187	10189
10191	10196	10197	10198	10201	10203	10204	10206	10207	10212
10213	10214	10216	10220	10223	10224	10225	10226	10227	10228
10230	10231	10236	10237	10240	10241	10245	10247	10248	10249
10251	10252	10253	10255	10256	10260	10263	10264	10266	10268
10274	10275	10276	10277	10279	10281	10283	10285	10287	10291
10292	10294	10296	10298	10299	10301	10302	10303	10305	10307
10308	10310	10311	10312	10313	10314	10315	10316	10318	10320
10324	10325	10328	10329	10330	10332	10334	10335	10338	10339
10340	10343	10344	10346	10348	10350	10351	10353	10354	10355
10356	10357	10359	10360	10361	10362	10363	10366	10368	10369
10372	10373	10374	10377	10378	10380	10381	10385	10386	10390
10391	10393	10396	10398	10399	10400	10403	10404	10406	10409
10410	10411	10413	10414	10419	10421	10422	10423	10428	10429
10436	10441	10442	10443	10445	10446	10447	10448	10449	10450
10456	10459	10461	10462	10463	10464	10466	10467	10468	10471
10473	10474	10476	10477	10479	10480	10482	10484	10486	10487
10489	10490	10491	10492	10493	10495	10496	10497	10500	10501
10502	10503	10506	10507	10508					

NB : Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/8336/24 5-Nov-24

संपादकीय

चुनावी गारंटियां बेनकाब

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि वह चोरी की इजाजत दे सकते हैं, लेकिन मुफ्तखोरी की नहीं।' मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार चेता चुके हैं कि मुफ्त की रेवडियां देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक हैं। इन कथनों के बावजूद आज देश में मुफ्तखोरी और गारंटियों की ही राजनीति चल रही है। चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवडि़यों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा! जितना हम पर कर्ज है, उतनी कई देशों की अर्थव्यवस्था भी नहीं होती। देश के सभी राज्य कर्ज में डूबे हैं। यदि कोई 'सरप्लस' में होने का दावा करता है, तो झूठ बोल रहा है। देश की जनता को बेवकूफ बना रहा है। दो मुख्य उदाहरणों के जरिए मुद्दे को समझने की कोशिश करते हैं। भारत सरकार की ओर से 81 करोड़ से अधिक लोगों में 5 किलो मुफ्त अनाज प्रति माह बांटा जा रहा है। यह योजना 2028 के अंत तक चलेगी। कोरोना महामारी के कारण यह योजना शुरू करनी पड़ी थी, लेकिन अब तो कोरोना के प्रभाव समाप्त हो चुके हैं। बाजार खुले हैं। आर्थिक गतिविधियां खूब चल रही हैं। फिर भी इतनी आबादी को सरकार ने मोहताज बनाकर क्यों रखा हुआ है? मुफ्त अनाज पर पांच साल में 11.80 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दूसरी प्रमुख योजना है-पीएम किसान सम्मान निधि। इसके तहत किसानों को, हर चार माह में, 2000 रुपए दिए जाते हैं। सालाना 6000 रुपए उनके बैंक खातों में डाल दिए जाते हैं। करीब 8-9 करोड़ किसानों में यह राशि बांटी जाती है। इस पर कुल 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की बात कही जाती है। बहरहाल केंद्र सरकार की ऐसी 100 से अधिक योजनाएं हैं, जिनमें राशि बैंक खातों में जाती है अथवा सबसिडी के तौर पर दी जाती है। ये योजनाएं रेवडियां हैं या मुफ्तखोरी है अथवा जन-कल्याण की श्रेणी में आती हैं, सरकार को इन्हें अलग-अलग परिभाषित करना चाहिए। एक संदर्भ में लाभार्थी और दूसरे में रेवड़ी कैसे हो सकता है? बिजली, पानी, बस यात्रा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कर्जमाफी आदि सभी कुछ मुफ्त कैसे मुहैया कराया जा सकता है? आखिर पैसा तो देश के औसत करदाता का है। ताजा संदर्भ के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के नैतिक साहस की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने अपनी ही पार्टी की कर्नाटक सरकार को, गारंटियों के मद्देनजर, खरी-खोटी सुनाई और आईना दिखा दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वायदा वह करें, जो बजट के अनुरूप हो और पूरा किया जा सके। यदि गारंटियां 'खटाखट, फटाफट' घोषित की जाती हैं, तो राज्य दिवालिया हो सकता है। सरकार नाकाम हो सकती है। वायदे पूरे नहीं किए गए, तो लोग 10 साल तक कांग्रेस की सरकार नहीं चुनेंगे। मल्लिकार्जुन खडग़े ने परोक्ष रूप से राहुल-प्रियंका गांधी की गारंटियों को खारिज किया है, जो लोकसभा चुनाव के बाद 'खटाखट खटाखट' मिलनी थी। यदि एक परिवार को एक लाख रुपए सालाना 'मुफ्त' में ही मिलना है, तो देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष की यह नसीहत, चेतावनी सिर्फ कांग्रेस सरकारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र और झारखंड कांग्रेस को भी चेताया है कि चुनावों में 5, 6, 7, 8 या 10 गारंटियों की घोषणा न करें। वायदे ऐसे करें, जिन्हें बजट के जरिए पूरा किया जा सके और अंततः जनता को लाभ और राहत मिल सके। मुफ्तखोरी की यह परंपरा 1970 के दशक से शुरू हुई, जब दक्षिण भारत के राज्यों में रेवडि़यां बंटने का सिलसिला आरंभ हुआ। अब ऐसा कोई राज्य नहीं है, जिस पर लाखों करोड़ रुपए का कर्ज न हो। भाजपा शासित राज्य भी कर्जदार हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी यह न कहें कि कांग्रेस शासित राज्यों में हालात बदतर हैं। मप्र और उप्र के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उनकी भी गारंटियों का सच बेनकाब हो जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने जिस 'लाडली बहना योजना' की घोषणा की है, उस पर 46,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह लाभार्थी योजना है या मात्र रेवड़ी देकर चुनाव जीतने की कवायद है? बहरहाल, इसे 'मेरी, तेरी रेवड़ी' के तौर पर पेश न करें।

> चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवडि़यों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा!

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे

निवेश-निजी खपत से बढ़ेगी आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा।

हाल ही में एक नवंबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'एशिया प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक अनुमान 2024' में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की विकास दर को पहले के 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि दिवाली के बाद एक नवंबर से शुरू हुए नए संवत 2081 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती संबंधी शुभ संकेत उभरकर सामने आ रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई में नरमी आएगी और वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय ग्लोबल फंड का भारतीय बांड में किया जा रहा निवेश उभरते बाजारों में ऊंचाई पर रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष 2023 में भारतीय बांड में जो विदेश निवेश 70627 करोड़ रुपए का था, वह इस वर्ष 2024 में करीब 88 प्रतिशत बढक़र अक्टूबर तक 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। निश्चित रूप से नए संवत 2081 में भारत की विकास दर उभरते हुए देशों की तुलना में ऊंचाई पर होगी। नए संवत 2081 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे हमारे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत हुए हैं। इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकते हुए सितारे के रूप में रेखांकित हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में भारत के घरेलू बाजार की अहम भूमिका है। इस वर्ष दीपावली और इससे जुड़े त्योहारों पर देशभर के घरेलू और स्थानीय बाजारों में भारी मांग देखी गई है। चीनी उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है। दिवाली त्योहार के बाजारों में 4.25 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि डेलॉइट इंडिया

की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह नए संवत 2081 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। बेहतर मानसून से ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ रही है। नए संवत में देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से मिल रही शक्ति बढ़ेगी। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने के और अधिक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस समय जब दुनिया में वैश्विक संघर्षों से उथल-पुथल मची हुई है, तब भारत नए संवत 2081 में दुनिया के लिए उम्मीद की एक किरण के रूप में दिखाई दे रहा है। जहां भारत गरीबी जैसी चुनौतियों को कम करते हुए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा, वहीं दुनिया की मदद करते हुए दुनिया में आशा का संचार भी करेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वैश्विक संघर्ष की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। नए संवत 2081 में यह भी दिखाई दे सकेगा कि एक ओर भारत अपने भरपूर खाद्यान्न भंडारों से देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा निश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मददगार बना हुआ है। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय से भारत में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने का बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है और इससे देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आ रही है। हाल ही में विश्व बैंक ने गरीबी अवलोकन और विकास रिपोर्ट 2024 में बताया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आई है। इस समय वैश्विक आबादी के करीब 70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी यानी 181 रुपए (करीब 2.15 डॉलर) प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबों की संख्या 2021 में 16.74 करोड़ थी, वह इस वर्ष 2024 में करीब 12.9 करोड़ रह गई है। नए संवत 2081 में देश में गरीबी में और कमी आने की संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत की वैश्विक खाद्य सुरक्षा में मददगार देश की भूमिका बढ़ते हुए दिखाई दे सकती है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम तथा कई देशों के अनुरोध पर भारत ने गैर बासमती चावल यानी सफेद चावल के निर्यात पर जुलाई 2023 से लगाई गई रोक को हटा लिया है। भारत के इस निर्णय से दुनिया के कोने-कोने में चावल आयातक देशों के करोड़ों चावल उपभोक्ताओं को राहत मिली है। जहां भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों के लोगों की खाद्य जरूरतों के लिए खाद्य निर्यात करता है, वहीं दुनिया के 185 से अधिक देशों के करोड़ों लोगों के लिए सस्ती व गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की आपूर्ति करने वाला विश्वसनीय देश भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए संवत 2081 में पश्चिम एशिया में युद्ध के बढऩे पर शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई की चुनौतियों के बीच भी भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों और ऊंचाई पर स्थित 700 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम होगा। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा और शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में सरकार के द्वारा कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा देश का आम आदमी भी विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा।

दृष्टि कोण

सिरिजाप की जंग में धन सिंह थापा का पराक्रम

अक्तूबर 1949 को तोहमत व फरेब के तालिब-ए-इल्म 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' की स्थापना हुई थी। अप्रैल 1950 में भारत ने चीन को मान्यता देकर अपने राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए तथा सन्‌ 1954 में भारत-चीन के बीच 'पचंशील' नामक समझौता हुआ। लेकिन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक चेयरमैन 'माओत्से तुंग' ने अपने प्राचीन सेनानायक व दार्शनिक 'सुन त्जू' द्वारा लिखित सैन्य ग्रंथ 'आर्ट ऑफ वार' के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया था। 'सुन त्जू' के 13 अध्यायों वाले उस ग्रंथ में कुछ सिद्धांत ये भी हैं कि 'सेना की उचित तैनाती व सम्मान, सैनिकों तक हथियार व रसद पहुंचाने के लिए शानदार सडक़ें तथा युद्ध धोखे से ही जीते जाते हैं'। सुन त्जू के सैन्य सिद्धांत चीन की रक्षा अकादमी में आज भी पढ़ाए जाते हैं। चीन ने सन्‌ 1950 में 'विश्व की छत' कहे जाने वाले तिब्बत पर सैन्य कार्रवाई से कब्जा करके अपने विस्तारवादी मंसूबों का पहला मजमून लिख दिया था। तिब्बत पर चीन के कब्जे की संगे बुनियाद भारत के लिए एक पैगाम था। भारत का सियासी नेतृत्व उस पैगाम को समझने में नाकाम रहा था। चीन ने तिब्बत में हिंदोस्तान से लगती सरहद पर सन्‌ 1957 तक सडक़ें बनाकर भारत को एक आसान लक्ष्य बनाकर लद्दाख, अरुणाचल व सिक्किम जैसे राज्यों के कई क्षेत्रों पर अधिकार जताकर अपने तल्ख तेवर दिखा दिए थे। दरअसल 1947 में बर्तानिया से आजादी के बाद भारत का सियासी नेतृत्व अपनी अंतरराष्ट्रीय सरहदों को परिभाषित करने में विफल रहा था। चीन के हुक्मरानों ने औपनिवेशिक काल के सरहदी समझौतों को रद्द करके भारत के खिलाफ हमले की तैयारी शुरू कर दी थी। जब भारत ने सन्‌ 1959 में अपनी 'फॉरवर्ड पॉलिसी' को लागू किया, तब तक चीन सरहद पर पेशकदमी को तैयार बैठा था। चीनी सेना ने 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख के 'हॉट स्प्रिंग' में गश्त कर रहे भारतीय 'सीआरपीएफ' के दस जवानों पर गोलीबारी करके उनकी हत्या कर दी थी लेकिन भारत में हिंदी चीनी भाई-भाई के नारे लग रहे थे। चीन को गोली का जवाब गोली से देने के बजाय भारत की हुकूमत उन तनावपूर्ण हालात को कूटनीति व शांत तरीके से सुलझाना चाहती थी। भारत के उसी कमजोर पक्ष पर प्रहार करके चीन ने बीस अक्तूबर 1962 को लद्दाख व अरुणाचल पर हमला करके हिंदी चीनी भाई-भाई के नारे की हवा निकाल कर पंचशील समझौते को भी आईना दिखा दिया था। चीन पर जरूरत से ज्यादा भरोसे के रद्देअमल में भारत को ऐसा धोखा मिला कि हिंदोस्तान का भूगोल तब्दील हो गया। कई वर्षों से भारत पर हमले की तैयारी कर रहे चीन ने अपनी 'पीपल लिबरेशन आर्मी' (पीएलए) को आधुनिक हथियारों से लैस कर दिया था। लेकिन सैन्य संसाधनों की कमी से जूझ रहे भारतीय सैनिक दूसरी जंगे अजीम के दौर के पुराने हथियारों से ही चीनी सेना पर शाहीन बनकर टूट पड़े थे। लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में हजारों फीट की बुलंदी पर भीषण ठंड में लड़ रहे भारतीय सैनिकों को वायुसेना की मदद भी नसीब नहीं हुई थी। लद्दाख सेक्टर में पैंगौंग त्सो झील के निकट 'सिरिजाप' की चौकियों पर मेजर 'धन सिंह थापा' के नेतृत्व में 'आठवीं गोरखा राइफल्स' के जवान तैनात थे। बीस अक्तूबर 1962 को चीन के हजारों सैनिकों ने सिरिजाप पर जोरदार हमला कर दिया था। दुश्मन के दो बड़े हमलों को नाकाम करके गोरखा सैनिकों ने पीएलए को काफी नुकसान पहुंचाया, मगर चीनी सेना ने तीसरे हमले को अपने टैंकों से अंजाम दिया था। अपनी खुखरियों से पीएलए को हलाक करके गोरखा सैनिक वतन-ए-अजीज के लिए बलिदान हो गए, मगर मैदान-ए-हर्ब को नहीं छोड़ा। शत्रु सैनिकों को जहन्नुम की परवाज पर भेज कर रणक्षेत्र में बुरी तरह जख्मी हो चुके धन सिंह थापा को पीएलए ने हिरासत में ले लिया था।

कुछ अलग

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

देश दुनीया से

परमाणु शक्ति से क्षुद्रग्रह संकट टालने की कोशिश

यदि कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी की तरफ खतरनाक ढंग से बढ़ता है तो क्या हम उसे रोक पाएंगे? वैज्ञानिक भविष्य में क्षुद्रग्रह के प्रहारों से बचने के लिए कई तरह के उपायों पर विचार कर रहे हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, एक परमाणु बम पृथ्वी को क्षुद्रग्रह के प्रभाव से बचा सकता है। प्रयोगशाला में दुनिया के सबसे शक्तिशाली जेड मशीन विकिरण स्रोत का उपयोग करके किए गए नए प्रयोग ने प्रदर्शित किया कि एक क्षुद्रग्रह के करीब परमाणु बम को विस्फोटित करके क्षुद्रग्रह की दिशा बदलने के लिए पर्याप्त बल उत्पन्न किया जा सकता है। न्यू मैक्सिको की सैंडिया नेशनल लेबोरेटरी में जेड मशीन विकिरण स्रोत का संचालन करने वाली टीम का कहना है कि परमाणु विस्फोट द्वारा उत्पन्न शक्तिशाली एक्स-रे तरंगें क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करके उसकी दिशा मोड़ देंगी। इस अध्ययन के मुख्य लेखक नाथन मूर ने कहा, अधिकांश लोगों को क्षुद्रग्रहों से खतरा बहुत दूर की बात लगती है। लेकिन हमारा ग्रह हर दिन छोटे आकार के क्षुद्रग्रहों से टकराता है। हम उन्हें शूटिंग स्टार कहते हैं। हम किसी बड़े क्षुद्रग्रह के दिखने का इंतजार नहीं करना चाहते। हम उसकी दिशा बदलने के सही तरीके खोजना चाहते हैं। पिछले साल अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें कहा गया था कि ग्रहों की सुरक्षा एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। विभिन्न मॉडलों ने दिखाया था कि परमाणु बम द्वारा बनाई गई शॉकवेव आने वाले क्षुद्रग्रह को सफलतापूर्वक मोड़ने के लिए पर्याप्त बल प्रदान कर सकती है। लेकिन इन परिदृश्यों में हानिरहित रूप से पथ से हटाए गए क्षुद्रग्रहों को दशकों पहले देखा गया था। चिंताजनक बात यह है कि इस समय चल रहे नासा के आकाश सर्वेक्षण ने अनुमान लगाया है कि पृथ्वी के निकट लगभग 25,000 ऐसी वस्तुएं मौजूद हैं जो बड़े विनाश का कारण बन सकती हैं। इनमें से कई सूर्य की चमक से छिपी हुई हैं, इसलिए संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रहों में केवल एक-तिहाई की ही पहचान की जा सकी है। न्यू मैक्सिको स्थित प्रयोगशाला में मूर और उनकी टीम ने एक छोटे सिलिका पत्थर के आकार के नकली क्षुद्रग्रह को जेड मशीन की एक्स-रे पल्स से विकिरणित किया। शोधकर्ताओं ने बिल्कुल सही समय पर 'सिलिका क्षुद्रग्रह' को प्रयोगशाला के वातावरण के भीतर 'अंतरिक्ष' में छोड़ा। उन्होंने वातावरण का अनुकरण करने के लिए एक वैक्यूम बनाया था। उन्होंने एक्स-रे द्वारा नकली क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करने से पहले एक सेकंड के एक अरबवें हिस्से के भीतर उसे छोड़ दिया। प्रयोग में क्षुद्रग्रह आगे खिसक गया। कई विज्ञानियों ने पहले यह विचार रखा था कि शक्तिशाली एक्स-रे विस्फोट एक बहुत बड़ी अंतरिक्ष चट्टान को उसके मार्ग से हटाने का विकल्प हो सकता है, लेकिन इसका कभी परीक्षण नहीं किया गया था। नया प्रयोग इस सिद्धांत का पहला प्रायोगिक प्रदर्शन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पर्याप्त चेतावनी या सतर्कता हो तो इस विधि का इस्तेमाल बहुत बड़े क्षुद्रग्रहों पर किया जा सकता है। सिद्धांत रूप में, अगर आपके पास पर्याप्त समय हो तो आप डायनासोर को मारने वाले क्षुद्रग्रह को रास्ते से हटा सकते हैं। दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां पहले से ही लंबे समय तक चेतावनी देने वाले क्षुद्रग्रहों की दिशा मोड़ने के संभावित तरीकों पर काम कर रही हैं। नासा के डार्ट मिशन ने दो साल पहले एक हानिरहित क्षुद्रग्रह, डिमोर्फोस को सफलतापूर्वक अपने मार्ग से हटा दिया था। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी से टकराने वाला और डायनासोर का सफाया करने वाला विशाल क्षुद्रग्रह अकेला नहीं था। वैज्ञानिकों का कहना है कि उसी युग में पश्चिम अफ्रीका के तट से दूर समुद्र में एक दूसरी, छोटी अंतरिक्ष चट्टान टकराई थी, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक 'विनाशकारी घटना' रही होगी। इससे अटलांटिक महासागर में कम से कम 800 मीटर ऊंची सुनामी आई होगी। दुबई स्थित हेरियट-वाट विश्वविद्यालय के डॉ. उइसडीन निकोलसन ने सबसे पहले 2022 में नादिर क्रेटर की खोज की थी। लेकिन यह क्रेटर वास्तव में कैसे बना, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई थी। अब डॉ. निकोलसन और उनके सहयोगियों को यकीन है कि 9 किलोमीटर का गड्ढा समुद्र तल में एक क्षुद्रग्रह के टकराने के कारण हुआ था। ये वैज्ञानिक इस घटना की सटीक तारीख नहीं बता सकते। वे यह भी नहीं बता सकते कि क्या यह मैक्सिको में 180 किलोमीटर चौड़े चिक्सुलब क्रेटर बनाने वाले क्षुद्रग्रह से पहले आया था या बाद में। मैक्सिको पर गिरने वाले क्षुद्रग्रह ने दुनिया में डायनासोर के शासन को समाप्त कर दिया था। लेकिन इन वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष से छोटी चट्टान भी क्रेटेशियस काल के अंत में आई थी जब डायनासोर विलुप्त हो गए थे। दूसरे क्षुद्रग्रह ने पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने के बाद आग का गोला बना दिया था। नादिर क्रेटर की कोई तस्वीर नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में गॉसेस ब्लफ़ क्रेटर ऐसा ही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 7 तीव्रता के भूकंप से पहले एक बहुत तेज हवा का विस्फोट हुआ होगा। संभवतः समुद्र तल से बहुत अधिक मात्रा में पानी निकल गया होगा, और बाद में यह पानी वापस बहकर समुद्र तल पर आया होगा, जिससे तल पर अनोखी छाप बनी होगी। हमारे सौरमंडल से इतने बड़े क्षुद्रग्रहों का कुछ ही समय के भीतर हमारे ग्रह की ओर अग्रसर होना असामान्य घटना है। लेकिन शोधकर्ता यह नहीं जानते कि दो क्षुद्रग्रह एक साथ पृथ्वी से क्यों टकराए। नादिर क्रेटर बनाने वाला क्षुद्रग्रह लगभग 450-500 मीटर चौड़ा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह लगभग 72,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी से टकराया था। इस पैमाने की घटना के सबसे करीब 1908 में तुंगुस्का की घटना थी, जब साइबेरिया के ऊपर आसमान में 50 मीटर का एक क्षुद्रग्रह फटा था। नादिर क्षुद्रग्रह लगभग बेनू के आकार का था, जो इस समय पृथ्वी के निकट परिक्रमा करने वाला सबसे खतरनाक ऑब्जेक्ट है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नासा के अनुसार बेनू के पृथ्वी से टकराने की सबसे संभावित तिथि 24 सितंबर, 2182 है। लेकिन इस बात की संभावना अभी भी 2,700 में से 1 है।

आप का नजरीया

चींटी बनकर नहीं चल सकते

कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार पर टिका हिमाचल का एक युग मानव इतिहास के पन्नों से भी मुखातिब है। लगभग अंतिम चरण में पहुंची भूमि अधिग्रहण की पैमाइश ने इतना आश्वासन तो दे ही दिया है कि कल आसमान खुला होगा, तो कुछ छतें नई नींव पर पुनर्वास का आसरा ढूंढ लेंगी। यह आर्थिकी का महाकाव्य है, जो जमीन से आसमान तक लिखा जा रहा है। जमीन पर ग्रामीण पगडंडियां, खेतों की मेढ़ें और पुश्तैनी यादें अब विकास की सदी में नया ठौर खोजने की सहमति में और कहीं आसमान पर आर्थिकी के नए राजदूत के आने का इंतजार। बदलते हिमाचल की जिस महत्त्वाकांक्षा ने हमें स्थापित किया, वहां से आगे का सफर, अगली सुबह की तपस्या से सराबोर है। अगर हमारे घर के आंगन तक सडक़ और सडक़ों पर बेशुमार गाडियां होंगी, तो कल के रास्ते भविष्य की फोरलेन से भी आगे निकलेंगे। इसी दिवाली में हर गांव से शहर तक के बाजार ने व्यापार देखा, तो घुटन यह भी रही कि वाहनों की तादाद ने रास्ते जाम कर दिए। हमारा विकास हमें सडक़ पर चींटी बनाकर नहीं चला सकता, इसलिए भौतिक व आर्थिक परिवर्तन की सतह पर किनारे खोलने पड़ेंगे। जाहिर है जहां कहीं फोरलेन आंखें खोल रही है, वहां इनसान का अपने ही अतीत से द्वंद्व बिखर रहा है। कई घाव लिए परिंदे भी उड़ते होंगे, आकाश पर सदा रहने के लिए। इसलिए आज का दर्द भविष्य का एतबार बनेगा, तेरे सामने धरती की मुलाकात हो रही है। ऐसे में जहां से फोरलेन गुजर रही है, वहां से नजदीक होंगी आने वाली सदियां, लेकिन इस रोशनी को बांटने के लिए बहुत सतर्क होना पड़ेगा। कुछ इसी तरह गगल एयरपोर्ट विस्तार में भविष्य है और पीड़ा का इजहार भी चप्पे-चप्पे पर खड़ा है। परियोजना की प्रासंगिकता में सुक्खू सरकार की निर्णायक भूमिका, अगर पर्यटन का भविष्य देख रही है तो यह एक मील पत्थर साबित होगा। गगल एयरपोर्ट विस्तार के नजरिए में न व्यापार की सीमा रेखा है और न ही भौगोलिक दूरियों का बंधन रहेगा, यानी कल फोरलेन के कारण यहां तक पहुंचती उड़ानें, हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, चंबा से कहीं आगे पड़ोसी पंजाब की सरहद मिटा सकती हैं। इसके लिए अभी से सिने पर्यटन के तहत गरली-परागपुर को फिल्म सिटी और टीएमसी, नादौन मेडिकल कालेज व पपरोला आयुर्वेद महाविद्यालय के अलावा कुछ अन्य अस्पतालों को चिकित्सा पर्यटन से जोड़ देना चाहिए। बड़े हवाई अड्डे के साथ निवेश की नई राहें केवल पर्यटन एवं टूरिस्ट इंडस्ट्री तक ही नहीं, बल्कि हिमाचल को सूचना प्रौद्योगिकी के हब के रूप में मजबूत करने की ताकत रखती हैं। यहां के सांस्कृतिक परिदृश्य व प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच तिब्बती एवं बौद्ध पर्यटन को एक नई परिभाषा दे सकता है, लेकिन इसके लिए धर्मशाला के प्रस्तावित कानवेंशन सेंटर को तीव्रता से मुकम्मल करने के अलावा कालचक्र के आयोजन को मकलोडगंज व जोगिंद्रनगर के बीच कहीं केंद्रीय स्थल पर अधोसंरचना निर्माण को पहल करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट समिति की किसानों के साथ बैठक रही बेनतीजा

शंभू बार्डर पर धरने का नेतृत्व कर रहे पंधेर व डल्लेवाल बैठक में नहीं हुए शामिल

चंडीगढ़ (हिंस)। शंभू बार्डर खुलवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी तथा किसानों के बीच सोमवार को हुई बैठक बेनतीजा रही। बैठक में सुप्रीम कोर्ट समिति के सभी सदस्य शामिल हुए लेकिन किसानों के धरने का नेतृत्व करने वाले किसान नेता सरवन सिंह पंधेर तथा जगजीत सिंह डल्लेवाल बैठक में नहीं आए। जिन किसान नेताओं ने बैठक में भाग लिया वह आंदोलन के प्रमुख चेहरे नहीं थे। फसलों पर एमएसपी की गारंटी को लेकर पंजाब के किसान फरवरी-2024 से हड़ताल पर हैं। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने हरियाणा और पंजाब के शंभू बॉर्डर को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया था। किसानों ने पंजाब की तरफ बॉर्डर पर स्थायी मोर्चा बना लिया। ऐसे में वहां से आवाजाही बंद है। इससे अंबाला के व्यापारियों को परेशानी हो रही है। हाई कोर्ट

ने हरियाणा सरकार को बॉर्डर खोलने के आदेश दिए थे, लेकिन सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सोमवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा भवन में कई घंटे तक चली बैठक में जस्टिस नवाब सिंह के अलावा, पूर्व आईपीएस अधिकारी पीएस संधू, गुरु नानक यूनिवर्सिटी, अमृतसर के प्रोफेसर देवेंद्र शर्मा, एग्रीकल्चर एंड इकोनॉमिक एक्सपर्ट रणजीत सिंह, डॉ. सुखपाल सिंह, हरियाणा कृषि विवि के वाइस चांसलर बीआर कम्बोज, हरियाणा और पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक शामिल हुए। बैठक से कुछ घंटे पहले ही सरवन सिंह पंधेर ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। जगजीत सिंह डल्लेवाल ने स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का दावा करते हुए अपने प्रतिनिधियों को बैठक में भेजा। किसानों ने अपनी 12 मांगें सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई कमेटी के सामने रखी। किसानों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती है, तक तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। बैठक के बाद किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि आने वाले लोकसभा सत्र के दौरान भूख हड़ताल शुरू करेंगे। बैठक में किसान नेता इस बात पर भी सहमत नहीं हुए कि अगर शंभू बार्डर खोला जाता है कि वह ट्रैक्टरों, जेसीबी आदि के साथ दिल्ली कूच नहीं करेंगे। कई घंटे तक चली बैठक में किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी।

प्रधानमंत्री मोदी 13 को दरभंगा में एम्स का करेंगे शिलान्यास

पटना (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे दरभंगा में एम्स का शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन के शीर्ष नेता भी शामिल होंगे। दरभंगा शहर के भाजपा विधायक संजय सरावगी ने कहा कि 13 नवम्बर को पीएम मोदी दरभंगा आएंगे और एम्स का शिलान्यास करेंगे। केंद्र सरकार ने इस अहम परियोजना के लिए फिलहाल 1, 261 करोड़ रुपए का बजट उपलब्ध कराया है। दरभंगा एम्स को अत्याधुनिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। बिहार सरकार ने एम्स के लिए 188 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए तीन वर्ष का समय निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि दरभंगा एम्स के निर्णाण को लेकर बिहार में खूब राजनीति हुई।

राज्य सरकार सफाई भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता नहीं देगी तो होगा राज्यव्यापी आंदोलन : जैदिया

जयपुर (हिंस)। जयपुर के शहीद स्मारक पर सोमवार को वाल्मीकि समाज की ओर से सफाई कर्मचारी भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर एक दिन का सांकेतिक विशाल धरना दिया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों शामिल हुए। और मांगे नहीं मानने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले अध्यक्ष किशनलाल जैदिया ने वाल्मीकि सफाई समुदाय से उनकी मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी संघर्ष करने का आव्हान किया है। इस विशाल धरना-प्रदर्शन के बाद किशनलाल जैदिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचा और मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र का ज्ञापन सौपा। जहां संबंधित अधिकारियों ने उन्हे सकारात्मक जवाब देकर उनकी मांग मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष किशनलाल जैदिया ने बताया कि अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले वाल्मीकि समाज कई मांगों को लेकर सोमवार को गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया और नारेबाजी कर अपनी मांगों का मांग पत्र मुख्यमंत्री के नाम दिया गया। उन्होंने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में एक प्रमुख मांग यह है कि सफाई कर्मचारी भर्ती में परंपरागात सफाई कार्य करने वाली जाति वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता

देकर भर्ती की जाए तथा सफाई भर्ती आरक्षण मुक्त की जाए। इसके अलावा आवेदन के लिए एक माह का समय तत्काल बढाया जाए। साथ ही सफाई कर्मचारी भर्ती लॉटरी से न करा कर प्रैक्टिकल सफाई कार्य तीन माह तक करवाकर की जाए। जिसका दैनिक मजदूरी भुगतान सरकार करे। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश बेनीवाल ने बताया कि भाजपा सरकार दलित विरोधी एवं सफाई मजदूर विरोधी है। यह जानबूझकर सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज के अलावा अन्य जाति के लोगों को भर्ती करना चाहती है जबकि वह सफाई का कार्य करते ही नहीं है। इस एक दिवसीय धरने में सम्पूर्ण राजस्थान के कोने कोने से आए सफाई मजदूर वर्ग वाल्मीकि समाज ने विशाल जनसभा में प्रस्ताव पारित किया कि वाल्मीकि समाज का आजादी के बाद आज तक पुनर्वास नहीं हुआ है।

हरियाणा: अब खुद ही हार के कारण तलाशेगी कांग्रेस करण दलाल की अध्यक्षता में बनाई कमेटी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में कांग्रेस अब खुद ही अपनी हार के कारण तलाशेगी। हाईकमान द्वारा गठित फैक्ट फांइडिंग कमेटी की रिपोर्ट अभी तक आई नहीं है और अब प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को एक नई कमेटी का गठन कर दिया है। पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की ओर से गठित की गई इस कमेटी में पार्टी के लीगल सेल के चेयरमैन एडवोकेट केसी भाटिया, नूंह विधायक आफताब अहमद, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र राठौर, पूर्व विधायक जयवीर सिंह वाल्मीकि, बड़ल से उम्मीदवार रहे विजय प्रताप सिंह, पानीपत सिटी से उम्मीदवार रहे वीरेंद्र सिंह *बुल्ले शाह* तथा चरखी दादरी की उम्मीदवार मनीषा सांगवान को बतौर सदस्य शामिल किया है। यह समिति पार्टी के सभी उम्मीदवारों के साथ बातचीत करेगी। कमेटी एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट तैयार करके पार्टी प्रदेशाध्यक्ष को देगी। इतना ही नहीं, यह कमेटी दूसरे दलों के नेताओं के साथ भी बातचीत करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने चुनावों में धांधली की। उम्मीदवारों के साथ बातचीत करके विस्तृत रिपोर्ट कमेटी तैयार करेगी। उल्लेखनीय है कि 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजों की घोषणा हुई थी। नब्बे सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं कांग्रेस को 37 हलकों में जीत प्राप्त हुई। इसके अगले ही दिन कांग्रेस के शिष्टमंडल ने भारतीय चुनाव आयोग को शिकायत दी। इसमें कहा गया कि ईवीएम मशीनों में गड़बड़ी थी।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे से फ्लाइट का 24 घंटे संचालन बंद

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार आधी रात से विमानों का संचालन बंद हो जाएगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे पर निगरानी के घंटों में भी कटौती कर दी है। नए कार्यक्रम के अनुसार अब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर आखिरी उड़ान रात 11.25 बजे तक पहुंच जाती है। रात 11.25 बजे के बाद और सुबह 5.55 बजे से पहले अब कोई उड़ान संचालन नहीं हो रहा है। इससे पहले मध्य रात्रि के बाद और सुबह 5 बजे से पहले दो उड़ानें संचालित होती थीं।

सात सीटों के उपचुनाव को लेकर राजस्थान पुलिस ने कसी कमर : एडीजी लॉ एंड ऑर्डर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में तेरह नवंबर को होने वाले सात सीटों के उपचुनाव को लेकर राजस्थान पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस मुख्यालय ने इन सात सीटों पर सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर विशेष बंदोबस्त किए है और साथ ही सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को भी उपचुनाव को लेकर विशेष व्यवस्था रखने के निर्देश मुख्यालय से दिए गए है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल ने बताया कि उपचुनाव को लेकर लगातार उच्च स्तरीय बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। चुनाव के दौरान पुलिस द्वारा जिन मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर काम किया जाता है। उनका रिव्यू कर उस आधार पर सभी जिला पुलिस को काम करने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस की ओर से इस समय सबसे अधिक जिन कामों में जोर दिया जा रहा है। उनमें लाइसेंसी हथियारों को जमा करने का काम महत्वपूर्ण है। जो लगभग पूरा होने को है। वहीं गैर जमानती वारंट वाले बदमाशों की गिरफ्तारी, शराब, ड्रग्स व अन्य माफियाओं पर नकेल कसने का एक्शन सहित तमाम बिंदुओं पर पुलिस काम कर रही है। पुलिस मुख्यालय ने सभी सातों जिलों को जो टास्क दिए गए हैं। उनकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही यदि किसी जिले द्वारा कोई कमी रखी जा रही है तो उसे उस कमी को दूर करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। एडीजी ने बताया कि सातों जिलों से इंटेलिजेंस की रिपोर्ट ले ली गई हैं। किसी भी जिले में अव्यवस्था की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई हैं। ग्राउंड पर पुलिस टीमें हर एंगल पर काम कर के व्यवस्था बनाने में लगी हुई हैं। सातों जिलों में उपचुनाव शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में होगा। हर जिला पुलिस अधीक्षक से नफरी को लेकर भई कई बार पूछा जा चुका है। हालांकि रिजर्व में पुलिस जाप्ता जिलों में विशेष परिस्थिति को देखते हुए भिजवाया जाएगा।

नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व जिला परिषद सदस्य सहित 14 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर और सवाई माधोपुर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा की उपस्थिति में नागौर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी ने सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों के साथ भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सरपंच राजाराम चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लादूराम कुदण, यूथ कांग्रेस से मनमोहन चौधरी, विजेंद्र बसवाणा, पंचायत समिति सदस्य भोमसिंह गौड, तेजाराम चौधरी के साथ कार्यकर्ता दिनेश वैष्णव, श्रवण विश्नोई, सुखराम प्रजापत, अमृताराम जाजडा, आदुराम लेगा, काजी अतेशानुद्दीन व सवाई माधोपुर से पार्षद असीम खां के साथ भाजपा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आमजन भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जता रहा है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जिसकी गलत नीतियों के चलते उसका मूल कार्यकर्ता पार्टी से दूर हो रहा है। कांग्रेस पार्टी समाज में गलत धारणाएं फैलाने का काम कर रही है, इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो रहा है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जहां राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य किया जाता है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान परिवार के सदस्य के रूप में किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने आह्वान किया कि जो भी किसी भी राजनीतिक दल में कुंठा महसूस कर रहा है वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा परिवार में शामिल हो सकता है। भाजपा में सबका सम्मान किया जाएगा और यहां सर्वे भवन्तु सुखिने के भाव से कार्य किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने बताया कि सुखवीर सिंह चौधरी नागौर जिला परिषद के दो बार सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य रहने के साथ ही 20 सूत्रीय कार्यक्रम नागौर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व सदस्य भी रह चुके है। इनके पिता स्व. गणेशराम मुंडवा भी राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए प्रधान भी बने। वहीं राजाराम चौधरी भी सरपंच रहने के साथ ही पूर्व जिला परिषद सदस्य रह चुके है। पूर्व और वर्तमान में विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले नेताओं का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। इस दौरान वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मंच पर उपस्थित रहे।

सुरजेवाला का मानसिक संतुलन बिगड़ा, डॉक्टर को दिखाएं : अत्री

जींद (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक्सीडेंटल सीएम बताए जाने के बाद से कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला अब भाजपा नेताओं के निशाने पर आए गए हैं। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सोमवार को जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि रणदीप सुरजेवाला जिस तरह से बयान दे रहे हैं, उससे लगता है कि उनका मानसिक संतुलन खो गया है इसलिए वो किसी अच्छे डॉक्टर को खुद को चेक करवाएं। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत में अत्री ने कहा कि चुनाव हारने के बाद कांग्रेस हाशिये पर है। चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के नेता दिमागी संतुलन खो बैठे हैं। मुझे लगता है कि रणदीप सुरजेवाला खुद को अच्छे डॉक्टर से दिखाए। नेता विपक्ष अब तक न चुने जाने पर भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस हाशिये पर है। कांग्रेस के आचरण का सबको पता है। जो पार्टी अपने नेता का चुनाव ही नहीं कर पा रहे है तो देश को कैसे चलाए सकती है। ये लोग किसी लायक नहीं है। ये लोग हास्यपद बातें करते है। सीएम नायब सिंह सैनी की अगुवाई में बनी तीसरी बार भाजपा सरकार के शासन में सरपट हरियाणा दौड़ेगे विकसित हरियाणा बनेगा। सीएम नायब सिंह सैनी से रणदीप सुरजेवाला के सवाल करने पर अत्री ने कहा कि पहले जो कारनामे कांग्रेस ने किए है उनका हिसाब दे।

गुरु हरगोबिंद साहिब का बंदी छोड़ दिवस मनाया

जोधपुर (हिंस)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर आठ स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु रामदास साहिब में सिख समाज के छठे गुरु हरगोबिंद साहिब का बंदी छोड़ दिवस एवं गुरु ग्रंथ साहिब का गुरता गद्दी दिवस मनाया गया। गुरु साहिब ग्वालियर जेल से इसी दिन रिहा हुए थे और जेल में बंद 52 हिंदू राजाओं को भी रिहा करवाया था। फिर गुरु दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब पहुंचे थे, जहां उनके स्वागत में दीपमाला और आतिशबाजी की गई। इस दिन को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरुद्वारा साहिब के प्रधान बलदेव सिंह ने बताया कि सुबह अमृत वेले में जपजी साहिब एवं सुखमनी साहिब का पाठ किया गया। ज्ञानी प्रीतम सिंह ने शबद कीर्तन कथा कर गुरुजी के जीवनी के बारे में बताया। इस दौरान अटूट लंगर वरताया गया।

पायलट का डॉ. किरोड़ी पर तंज, भाजपा शासन में गोलियां चली, लोगों को भिड़ाया, जवाब देना पड़ेगा

जयपुर (हिंस)। दौसा में विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। एआइसीसी महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी सोमवार को कांग्रेस प्रत्याशी डीडी बैरवा के समर्थन में कुंडल में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दौसा उपचुनाव के बारे में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। यह चुनाव किसी व्यक्ति और समाज का नहीं है। बल्कि विचारधारा और पार्टियों का है। जनता ने दोनों ही दलों को बराबर मौका दिया है, काम के इतिहास के दम पर लोग तुलना करेंगे। पायलट ने कहा कि आज भाजपा के जो नेता भाषण दे रहे हैं, उन्हें जवाब देना पड़ेगा कि उनके शासनकाल में प्रदेश में गोलियां चली थीं, समाजों में टकराव कराया, लोगों को भिड़ाया था। वो जो माहौल पैदा हुआ था, उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है कि नहीं। उन्होंने कहा कि जो लोग इस प्रकार की चर्चा करते हैं, वो भाजपा के लोग अति आत्मविश्वास में जी रहे हैं, लेकिन मतगणना होगी, तब डीसी बैरवा भारी बहुमत से विधानसभा पहुंचेंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा द्वारा उनके भाई जगमोहन की सचिन पायलट से तुलना के सवाल पर उन्होंने तंज कसा। पायलट ने कहा कि मैं किसी के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करता, लेकिन राज्य सरकार घोषणा पत्र में किए वादों को ही पूरा नहीं कर पा रही है। दौसा जिले के जनप्रतिनिधियों को जो मान सम्मान कांग्रेस की सरकार में मिलता है, वह बीजेपी कभी नहीं दे सकती। किरोड़ी का नाम लिए बिना पायलट ने कहा कि अभी जो दिया है, वह भी आधा दिया हुआ है। मान-सम्मान देने में किसी का क्या लगता है, कोई खर्चा नहीं करना पड़ता, इसके बावजूद यदि मान सम्मान के लिए भी संघर्ष करना पड़े तो वह सरकार लोगों की भावनाओं की कदर नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि राजनीति और जनप्रतिनिधि भावनाओं पर जीते हैं, क्योंकि पद और पोस्ट तो आते-जाते रहते हैं। कोई बर्खास्त कर दे, इस्तीफा दे दे या फिर भाग जाए। पदों की कोई गिनती नहीं होती, जनप्रतिनिधि को मान सम्मान देने से जनता के अंदर एक विश्वास कायम होता है और यदि मान सम्मान नहीं मिलता तो फिर पद लेने के बावजूद कोई नहीं पूछता, क्योंकि मैंने दौसा के लोगों के बीच बहुत लंबा समय देखा है। पद पर रहते हुए और बिना पद पर रहे, पक्ष-विपक्ष का भी समय मैंने देखा है। इसलिए कहना चाहता हूं कि नेता के पास पद हो नहीं हो, लेकिन जनता के दिलों पर जिसका राज होता है, वहीं नेता माना जाता है। पायलट ने कहा कि प्रदेश की सभी सातों सीटों पर बहुत अच्छा चुनाव लड़ रहे हैं और दौसा की सीट भी बड़े मार्जिन से कांग्रेस पार्टी जीतेगी। कांग्रेस के सभी नेता एकजुट होकर काम कर रहे हैं, चाहे फिर राज्य सरकार कितनी भी ताकत और तंत्र लगा ले। संत्री-मंत्री डेरा डाले हुए हैं। लेकिन दौसा ने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। मैं बड़े अदब के साथ कहना चाहता हूं कि हमारा किसी के साथ कोई झगड़ा नहीं है। यह चुनाव किसी एक जाति से दूसरी जाति का भी नहीं है, क्योंकि यह चुनाव एक विचारधारा और दो पार्टियों के बीच का है। कौन बेहतर तरीके से दौसा की सेवा कर सकता है। मैं पार्टी और जनता की तरफ से जमानत देने आया हूं कि चुनाव जीतने के बाद डीसी बैरवा सबकी सेवा करेगा और मान सम्मान देगा। पायलट ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी का नाम दीनदयाल है, जबकि वह डीसी लिखते हैं। लेकिन डीसी का मतलब डायरेक्ट करंट होता है। कांग्रेस का विधायक बनने से किसी का पद आने जाने वाला नहीं है, बल्कि परमानेंट होने का चांस भी होता है, क्योंकि चुनाव में 100 तरीके के समीकरण होते हैं। 13 नवंबर को बहुत शादियां है, कन्यादान करने के साथ मतदान भी बहुत जरूरी है।

यूपी की नौ विस सीटों पर अब 13 की बजाए 20 को होगा मतदान

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर उप निर्वाचन 13 नवंबर के बजाए 20 नवंबर 2024 को होंगे। निर्वाचन आयोग ने कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के मद्देनजर उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव-2024 की तिथि को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के मद्देनजर उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव-2024 की तिथि को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने निर्वाचन आयोग को उपचुनाव की तिथि बढ़ाने के निर्णय के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस फैसले से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को कार्तिक पूर्णिमा के धार्मिक महत्व का लाभ प्राप्त होगा और मतदान प्रक्रिया भी सुचारू रूप से संपन्न हो सकेगी। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है, जब देशभर से लोग गंगा स्नान, व्रत, पूजा और भंडारे जैसे धार्मिक आयोजन करते हैं। यह दिन श्रद्धालुओं के लिए अत्यधिक पुण्य प्राप्ति का अवसर माना जाता है। इसी के चलते, श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा से तीन दिन पूर्व ही धार्मिक स्थलों की ओर प्रस्थान कर लेते हैं। विशेष रूप से, गाजियाबाद और मीरापुर विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होने हैं, जहां गढ़मुक्तेश्वर और शुकतीर्थ में विशाल मेले का आयोजन होता है। इससे इन क्षेत्रों में कम मतदान की संभावना थी। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए, चुनाव की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

भ्रष्ट और अकर्मण्य राजस्व कर्मचारी और अमीन पर अब कार्रवाई होना तय

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग पटना से एक पत्र निर्गत हुआ है, जिसमें बिहार के 13 जिलों सहरसा, बांका, शिवहर, गया, अरवल, बक्सर, किशनगंज, सीतामढ़ी, जमुई, नवादा, अररिया, सिवान एवं मुजफ्फरपुर जिसमें पिछले 5 वर्षों में जिले में तैनात राजस्व कर्मचारी और अमीन पर की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के संबंध में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, जो संबंधित जिले से अब तक और प्राप्त है। इस पर विभाग ने खेत व्यक्त करते हुए पुन:उक्त आशय का प्रतिवेदन अभिलंब उपलब्ध कराने का निर्देश पत्र जारी किया है तथा एक ही स्थान पर 5 वर्ष से से पदस्थापित को राजस्व कर्मचारी को अनिवार्य रूप से दूसरेअंचल स्थानांतरित करने तथा शहरी क्षेत्र में दो वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारी को ग्रामीण अंचलों में स्थानांतरित करने का निर्देश जारी किया गया था। इस संबंध में जिलों से अनुपालन प्रतिवेदन अप्राप्त होने पर माननीय विभागीय मंत्री डॉक्टर दिलीप जाएसवाल द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रासंगिक पत्रों के रूप में पुन: अनुरोध किया गया है कि उक्त संबंध में कार्रवाई करते हुए दो दिनों के अंदर अनुपालन प्रतिवेदन सुनिश्चित कराया जाए। इस संबंध में भाजपा जिला अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने बयान जारी कर कहा कि सुशासन की सरकार में अक्षम आक्रमण्य और कर्तव्यहीन कर्मचारी और अधिकारी पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बिहार में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाए-खाए के साथ होगा शुरू

पटना (हिंस)। बिहार की रगों में दौड़ने वाला चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पांच नवम्बर से नहाए-खाए के साथ शुरू होगा। इस महापर्व को लेकर सभी जगह पर भीड़ दिख रही है। इसके अलावा बाजार में भी रौनक बढ़ गई है। इस महापर्व को लेकर लोगों ने खरीदारी करनी शुरू कर दी है। छठ महापर्व को शुद्धता के लिए जाना जाता है। वैसे तो इस महापर्व में अधिकतर घरेलू सामान का ही उपयोग किया जाता है लेकिन कुछ वस्तुएं ऐसी होती हैं, जिसकी बाजार में खरीदारी होती है। इसमें फल से लेकर सूप और दउरा तक शामिल हैं। हालांकि, शहरी इलाकों में बाकी उपयोगी चीजों की भी खरीदारी होती है। पटना में छठ पूजा के लिए सूप, दउरा, मिट्टी का चूल्हा लकड़ी, नारियल आदि की

बिक्री शुरू हो चुकी है। खरीदारों की भीड़ बाजार में उमड़ने लगी है। इस बार छठ पूजा पर पीतल की सूप का काफी डिमांड है। इसमें कस्टमाइज सूप भी शामिल है। हर साल से ज्यादा इस बार भी इसका डिमांड देखने को मिल रहा है। पटना के दुकानदारों ने बातचीत में कहा कि इस बार पीतल का रेट 800 से 1, 000 रुपए प्रति किलो तक है। पिछले साल की तुलना में पीतल के दाम में उतनी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिली है। इसलिए बाजार में 600 से लेकर 1, 000 तक का सूप उपलब्ध है। पीतल के अलावा सोने और चांदी का शुभ भी मार्केट में उपलब्ध है। मार्केट में 15 ग्राम से लेकर 100 ग्राम वजन तक का सूप उपलब्ध है, जिसकी कीमत 2, 000 से लेकर 10, 000 तक बताई जा रही है। पटना बाजार में पानी वाला नारियल 50 से 80 रुपए जोड़ा में उपलब्ध है जबकि अन्य शहरों की बात करें तो यह 40 से 70 रुपए के बीच में बिक रहा है। छठ व्रत में खाना बनाने में आम की लकड़ी का प्रयोग होता है। इस बार आम की लकड़ी की कीमत बाजार में 125 से 150 रुपए पांच (पसेरी) किलो के आसपास चल रही है। छठ पवित्रता के लिए मिट्टी के चूल्हे की डिमांड रहती है। छठ व्रती माताएं-बहने मिट्टी के चूल्हे पर ही नहाए खाए का प्रसाद बनती हैं। लिहाजा, इस बार मिट्टी के चूल्हे की कीमत 200 रुपए से 250 रुपए के बीच है।

सपा-कांग्रेस के झूठ प्रपंच और समाज को बांटने वाली नीति का अंत होगा : अमरपाल

प्रयागराज (हिंस)। फूलपुर उप विधानसभा चुनाव को लेकर राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य ने फूलपुर के चिरोड़ा ग्रामसभा में सामाजिक जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस जातिवाद का दामन थामकर समाज को बांटकर राजनीति कर रहे हैं। सत्ता प्राप्त करने के लिए झूठ का प्रपंच फैलाते रहे हैं, जिसे जनता अब जान चुकी है। उन्होंने कहा कि फूलपुर का यह उपचुनाव भाजपा का कमल खिलाकर जीत के आगाज के साथ कांग्रेस-सपा द्वारा फैलाया गया झूठ प्रपंच एवं जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति का अंत कर देगा। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इसके अलावा खोजपुर ग्राम सभा में संवाद स्थापित किया गया और पूर्व सांसद विनोद सोनकर ने जनता के बीच जनसम्पर्क कर भाजपा को जिताने की अपील की। इस अवसर पर विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, रत्नेश प्रधान, उमाशंकर मौर्य, राजेश केसरवानी, बृजेश त्रिपाठी, प्रधान द्वारिका मौर्य, राजेश मौर्य, बूथ अध्यक्ष बच्चा मौर्य, प्रबंधक कृष्णा राम मौर्य एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च कीं

नई दिल्ली

सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने जीईएम पोर्टल पर 170 नई बीज श्रेणियां लॉन्च कीं है। इसके साथ ही अब जीईएम पोर्टल पर लगभग 8,000 बीज की किस्में उपलब्ध हो गईं हैं। इन श्रेणियों को आगामी फसल सीजन से पहले लॉन्च किया गया है, ताकि केंद्र और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) और अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए कुशल खरीद की सुविधा मिल सके। जीईएम की डिप्टी सीईओ रोली खरे ने कहा कि विक्रेताओं को इन नई बीज श्रेणियों का लाभ उठाने और सरकारी निविदाओं में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए अपनी पेशकशों को सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य निकायों को लागत-प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बीज खरीद के लिए इन श्रेणियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। खरे ने कहा कि इस पहल से पूरे भारत में बीज वितरण को अनुकूलित करने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 8000 किस्मों के बीजों वाली 170 नई श्रेणियां अब जीईएम पर उपलब्ध हैं। विभिन्न राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों के साथ गहन परामर्श के बाद श्रेणियाँ बनाई गई हैं।

जीईएम ने कुशल खरीद को बढ़ावा देने के लिए बीज श्रेणियों का किया विस्तार

बीज नियंत्रण ऑर्डिट द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बीज गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। यह बीज खरीद के लिए तैयार रूपरेखा तहत है, जिसमें भारत सरकार के निर्धारित विनियमों और नियमों को शामिल किया गया है।

पर बीज की श्रेणियां देखी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों सहित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद बनाई गई जीईएम पोर्टल पर बीज श्रेणियां बीज खरीद के लिए एक तैयार रूपरेखा प्रदान करती हैं, जिसमें केंद्र सरकार के मौजूदा नियम और विनियम और आवश्यक पैरामीटर शामिल हैं, जो खरीद अधिकारियों के लिए पूरी प्रक्रिया को आसान बनाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी नजर आ रही है। अमेरिका में कल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट में काफी संभलकर कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,728.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 144.77 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,239.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,980.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,177.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,409.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.43 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछल कर 19,254.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 150.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,166.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत टूट कर 7,453.15 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है।

सरकार ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन मांगे, माइकल देवव्रत पात्रा की जगह होगी नियुक्ति

नई दिल्ली। सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये नियुक्ति मौजूदा डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के स्थान पर होगी, जिनका विस्तारित कार्यकाल 14 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का ये पद अर्थशास्त्रियों के लिए है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक चयनित उम्मीदवार मौद्रिक नीति विभाग की देख-रेख करेगा और दर निर्धारण समिति 'मौद्रिक नीति समिति' का सदस्य भी होगा। उम्मीदवारों की आयु 15 जनवरी, 2025 को 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए है तथा व्यक्ति पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा। इस पद के लिए मासिक वेतन 2.25 लाख रुपये (स्तर-17) होगा। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। रिजर्व बैंक में चार डिप्टी गवर्नर के पद होते हैं। मौद्रिक नीति विभाग की देखरेख के लिए एक अर्थशास्त्री, एक वाणिज्यिक बैंकर तथा दो बैंक से लिए जाते हैं।

बजाज ऑटो की अक्टूबर में वाहन बिक्री दो फीसदी बढ़कर 4,79,707 इकाई हुई

मुंबई। वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो की वाणिज्यिक वाहनों तथा निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 4,79,707 इकाई हो गई, जो 2023 के इसी महीने में 4,71,188 इकाई थी। बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में कुल घरेलू बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 3,03,831 इकाई रह गई, जबकि 2023 के इसी महीने में 3,29,618 वाहन बिके थे। निर्यात 24 प्रतिशत बढ़कर 1,75,876 इकाई रहा, जो एक साल पहले समान अवधि 1,41,570 इकाई था। हालांकि समीक्षाधीन महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 4,14,372 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 4,08,144 दोपहिया वाहन बिके थे। कंपनी ने कहा कि इसमें से घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,55,909 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में बेची गई 2,78,468 इकाइयों से आठ प्रतिशत कम है।

कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी एनसीएल के निगाही क्षेत्र में 50 मेगावाट के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में स्थित यह सौर ऊर्जा संयंत्र अपने पहले वर्ष में औसतन 94 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगा, जिससे सालाना 78,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। कोलकाता में आयोजित सीआईएल के 50वें स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने शुभंकर अंगारा का अनावरण भी किया। ये लोगो भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ के रूप में सीआईएल की महत्वपूर्ण भूमिका का प्रतीक है, जो नवाचार, प्रगति और स्थिरता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शुभंकर कोयला खनिकों की ताकत और लचीलेपन का प्रतीक है, जो उनके साहस और समर्पण को दर्शाता है। शुभंकर रॉयल बंगाल टाइगर से प्रेरित है।

रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो किया लॉन्च और शुभंकर अंगारा का किया अनावरण

किशन रेड्डी ने इस अवसर पर कोयला और लिग्नाइट अन्वेषण पर रणनीति रिपोर्ट भी जारी की। इसके साथ ही माइन क्लोजर पोर्टल का उद्घाटन किया और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की निगाही परियोजना में 50 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के विकास की घोषणा की, जिसमें 250 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस सौर पहल से 49 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होने की उम्मीद है। मंत्री ने संस्थागत और व्यक्तिगत दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान करके समारोह का समापन किया, जिसमें सीआईएल की सफलता में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई। कोयला मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में संविदा कर्मियों के लिए सीआईएल की जन-केंद्रित पीएलआई योजना की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि सीआईएल आयातित कोयले की तुलना में भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी दरों पर कोयला उपलब्ध कराता है। उन्होंने बताया कि 28 अक्टूबर, 2024 तक बिजली संयंत्रों में कोयले का स्टॉक 31.6 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 18.8 मीट्रिक टन था। दत्त ने कहा कि इसमें 68 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिसका श्रेय मुख्य रूप से सीआईएल के योगदान को जाता है। कोयला सचिव ने कहा कि कोल इंडिया को बदलती व्यावसायिक गतिशीलता के अनुसार अपनी प्रक्रियाओं, परिचालन और लागत दक्षता को पुन: निर्धारित करना चाहिए।

इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार, अतिरिक्त सचिव विस्मिता तेज, सीआईएल के अध्यक्ष-सह प्रबंध निदेशक पी. एम प्रसाद. निदेशक (पी एंड आईआर) वी. के. प्रसाद, निदेशक (व्यवसाय विकास) विनय रंजन, देशक (विपणन) देबाशीष नंदा, निदेशक (वि) मुकेश चौधरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी मुकेश अग्रवाल और मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी सहित वरिष्ठ प्रबंधन उपस्थित थे।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में बढ़कर 57.5 हुई : पीएमआई

नई दिल्ली

तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि दिखाती है

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर के आठ महीने के निचले स्तर से अक्टूबर में बढ़कर 57.5 हो गई। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में आठ महीने के निम्नतम स्तर 56.5 से बढ़कर अक्टूबर में 57.5 हो गया, जो परिचालन स्थितियों में पर्याप्त तथा त्वरित सुधार का संकेत है। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में अक्टूबर में काफी वृद्धि हुई है, क्योंकि अर्थव्यवस्था की परिचालन स्थितियों में व्यापक रूप से सुधार जारी है। तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि को दर्शाती है। भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग से प्रदर्शन में तेजी आई। इसके अलावा, नए उत्पादों पेश किए जाने और सफल विपणन पहलों ने बिक्री प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद की। सितंबर में डेढ़ साल में सबसे कम वृद्धि के बाद नए निर्यात ऑर्डर में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। समिति के सदस्यों ने एशिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और अमेरिका से नए ऑर्डर में वृद्धि की सूचना दी।

कीमतों के मोर्चे पर अक्टूबर के आंकड़ों ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत मुद्रास्फीति दबाव का संकेत दिया। वहीं भारतीय विनिर्माता भविष्य की उत्पादन मात्रा के संबंध में अधिक आशावादी हैं। भंडारी ने कहा कि तीसरी वित्तीय तिमाही की शुरूआत में मजबूत उपभोक्ता मांग, नए उत्पाद जारी होने से कारोबारी विश्वास भी बढ़ा है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मैजिकपिन ने डिलीवरी चार्ज घटाया 5 रुपए में घर आ जाएगा सामान

मैजिकपिन के प्लेटफॉर्म शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की गई

नई दिल्ली

ई-कॉमर्स ऐप मैजिकपिन ने प्लेटफॉर्म शुल्क घटाकर 5 रुपये प्रति डिलीवरी कर दिया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह राशि इसके प्रतिस्पर्धियों के शुल्क के मुकाबले आधी है। जोमैटो और स्विगी ने लगभग दो सप्ताह पहले प्रति आपूर्ति प्लेटफॉर्म शुल्क में लगभग 42-67 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी।

मैजिकपिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए प्लेटफॉर्म शुल्क में कमी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम त्योहारी सत्र के दौरान अपने आपूर्ति नायकों और अपने ग्राहकों की भलाई के लिए एक संतुलन बना सकते हैं। इसलिए मैजिकपिन का वादा है कि अधिक से

अधिक लोग त्योहारी सत्र का आनंद उठा सकें। मैजिकपिन के प्लेटफॉर्म शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की गई है। यह साल के बाकी हिस्से के लिए केवल पांच रुपये है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के बाकी समय में खाद्य वितरण पर कोई शुल्क वृद्धि नहीं की जाएगी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म शुल्क सात रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है। यह राशि ग्राहकों से प्रति ऑर्डर आपूर्ति शुल्क के अलावा ली जाएगी। स्विगी ने भी प्लेटफॉर्म शुल्क छह रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है।

शुरुआती झटके के बाद संभले एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर, 8 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ हुई थी लिस्टिंग

नई दिल्ली

शापूरजी पालूनजी ग्रुप की कंस्ट्रक्शन कंपनी एफकॉन्स इंफ्रा ने सोमवार को लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में दस्तक दे दी। कंपनी के शेयर लगभग 8 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 463 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे, लेकिन बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 430.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 426 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग होने के साथ ही इस कंपनी के निवेशकों को करीब 8 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

डिस्काउंट में लिस्टिंग होने के सदमे से इस कंपनी के आईपीओ निवेशक उबरे भी नहीं थे कि उन्हें

जोरदार बिकवाली का झटका लग गया। शुरुआती कारोबार में ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये लुढ़क कर 420.25 रुपये के स्तर तक आ गया।

हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर ने निचले स्तर से रिकवरी कर ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 3 रुपये की तेजी के साथ 465 रुपये के स्तर पर आ गया। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे एफकॉन्स इंफ्रा के शेयर 30 पैसे की कमजोरी के साथ 462.70 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

एफकॉन्स इंफ्रा का 5,430 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.31 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सोना-चांदी में तेजी जारी रहने का अनुमान, अगली दिवाली तक मिल सकता है शानदार रिटर्न

नई दिल्ली

जियो पॉलिटिकल टेंशन और ग्लोबल इकोनॉमी में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण गोल्ड मार्केट में लगातार तेजी बनी हुई है।दिवाली को आमतौर पर हिंदू कारोबारी कैलेंडर की शुरुआत माना जाता है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक सोने की कीमत में करीब 31 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। माना जा रहा है कि अगले साल यानी 2025 की दिवाली तक सोने की कीमत में 18 से 22 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। इसी तरह चांदी की कीमत भी 30 प्रतिशत तक उछल सकती है। सोने की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह जियो पॉलिटिकल टेंशन को माना जा रहा है। इसके साथ ही कई देशों के केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कमी करने, ग्लोबल इकॉनमी में उतार-चढ़ाव होने और दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट में गिरावट आने के कारण भी वैश्विक स्तर पर सोने को सपोर्ट मिला है।जानकारों का कहना है कि सोना और चांदी को परंपरागत रूप से इन्वेस्टमेंट का सेफ इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। इसीलिए कभी भी तनाव होने या वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होने पर सोने में निवेश बढ़ जाता है। पिछली दिवाली से

लेकर इस दिवाली के बीच भी दुनिया भर में तनाव की स्थिति बनी रही। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के अलावा इजरायल और हमास तथा हिज्बुल्लाह के बीच शुरू हुए संघर्ष ने जियो पोलिटिकल टेंशन को काफी बढ़ा दिया। अब इस जंग में ईरान के भी शामिल हो जाने की वजह से तनाव और बढ़ गया है, जिसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी दौरान दुनिया के कई देशों ने ब्याज दरों में कटौती भी की है, जिससे मार्केट की लिक्विडिटी पहले की तुलना में बढ़ गई है। यही वजह है कि निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोना और चांदी में जमकर निवेश कर रहे हैं। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहता है कि 2023 की दिवाली से लेकर 2024 की दिवाली के दौरान सोने ने निवेशकों को शेयर मार्केट के एवरेज रिटर्न से ज्यादा रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक शेयर बाजार का रिटर्न 24.92 प्रतिशत रहा है, जबकि सोने के मामले में रिटर्न 31.69 प्रतिशत रहा है। ये ट्रेंड 2025 की दिवाली तक जारी रह सकता है, क्योंकि सोने के लिए आउटलुक लगातार पॉजिटिव बना हुआ है। ऐसी स्थिति में मार्केट एक्सपर्ट्स सोने की कीमत में कम से कम 10 प्रतिशत तक की तेजी का अनुमान लगा रहे हैं। इसके साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि अगर केंद्र सरकार द्वारा सोने की इंपोर्ट ड्यूटी में की गई कटौती का असर बना रहा, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार से इसकी लिवाली और बढ़ेगी, जिसके कारण सोने की कीमत 15 से 18 प्रतिशत तक भी तेज हो सकती है। इसके अलावा अगर भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसंबर में या फिर फरवरी में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया, तो इससे भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिलेगा। सोने की तरह ही चांदी में भी लगातार तेजी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है। जुनेजा सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ विकास जुनेजा का कहना है कि पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली के बीच चांदी की कीमत में लगभग 40 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर चांदी को भी निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया है। इसके साथ ही इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की मांग बढ़ जाने के कारण भी इसकी कीमत को सपोर्ट मिला है। विकास जुनेजा का कहना है कि अगर वैश्विक हालात में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ और इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की मांग बनी रही तो अगली दिवाली तक इसकी कीमत में 30 प्रतिशत तक की तेजी देखी जा सकती है। हालांकि, मयंक मोहन और विकास जुनेजा दोनों एक्सपर्ट्स का ये भी कहना है कि सोना और चांदी की कीमत के बारे में जो भी अनुमान लगाया जा रहा है, वो मौजूदा वैश्विक और घरेलू परिस्थितियों के आधार पर लगाया जा रहा है। वैश्विक या घरेलू माहौल में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन हर अनुमान को ध्वस्त कर सकता है। इसलिए निवेशकों को खासकर छोटे और खुदरा निवेशकों को बाजार में पैसा लगाने के पहले हर स्थिति का ठीक से अध्ययन जरूर करना चाहिए। इसके साथ ही अपने निवेश सलाहकार से भी विचार विमर्श करने के बाद ही निवेशकों को अपनी निवेश योजना को अंतिम रूप देना चाहिए।

गंभीर पर उठ रहे सवाल , ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

मुम्बई

भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है।

गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अधिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है।

हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं।

मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया। बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, 'दौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

ला लीगा : बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराया, तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिती मजबूत की

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने रविवार को घरेलू मैदान पर एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के लिए डेनी ओल्मो ने दो गोल और राफिन्हा ने 1 गोल किया और सिर्फ आधे घंटे के बाद ही मैच पर पकड़ बना ली। ओल्मो ने मैच के 12वें मिनट में ही गोल कर बार्का को आगे कर दिया। राफिन्हा ने 10 मिनट बाद ही गोल कर बार्का की बढ़त को दोगुना कर दिया। ओल्मो ने इसके बाद आधे घंटे बाद तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 3-0 कर दी। जावी पुआडो ने 63वें मिनट में एस्पेनयोल के लिए सांत्वना गोल किया। अन्य मैचों में एटलेटिको मैड्रिड ने लास पालमास को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया, एथलेटिक क्लब और बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ हुआ और रियल सोसिएदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

ऋषभ को आउट दिये जाने पर हैरान हुए डिविलियर्स

जोहांबगर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में भारतीय टीम के विकेटपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आउट दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। डिविलियर्स ने सोशल मीडिया पर भी इस फैसले की आलोचना की है। डिविलियर्स ने कहा कि ये फैसला सही नहीं था। डिविलियर्स ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर फैसला लेने के लिए तकनीक का प्रयोग किया जाता है पर उसमें भी कई जटिलताएं हैं। उन्होंने कहा कि इस बार में स्थित साफ नहीं थी। साथ ही कहा कि जब गेंद बल्ले से गुजरती है और ठीक उसी समय ये बल्लेबाज के पैड से टकराती है तो ये तय करना कठिन हो जाता है कि किसने इसे मारा। मैं हमेशा इस बारे में चिंतित रहता हूं और यहां एक बड़े टेस्ट मैच में एक बड़े क्षण में ऐसा होता है। डिविलियर्स ने कहा, बात यह है कि संदेह अवश्य रहा होगा। तो निश्चित रूप से आप ऑन-फील्ड कॉल के साथ बने रहेंगे। जब तक कि तीसरे अंपायर ने स्पष्ट रूप से ये नहीं देखा मैं इतना निश्चित नहीं हूं। मेरा यहां कोई पूर्वाग्रह नहीं है, मैं बस लगातार कॉल और तकनीक के अच्छे उपयोग पर जोर दे रहा हूं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भारतीय टीम की हार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मेजबान टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पठान ने सोशल मीडिय में लिखा- घरेलू मैदान पर टीम इंडिया का यह शर्मनाक प्रदर्शन है। फैसला लेने वालों को इस पर बहुत विचार करना होगा। वहीं शानदार प्रदर्शन के लिए न्यूजीलैंड को बधाई। इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया में लिखा, घरेलू मैदान पर 3-0 से हारना एक बड़ी चुनौती है और इसपर हमें फिर विचार करना होगा कि कहां कमी रह गयी थी। ये देखना होगा कि क्या टीम की तैयारी कम थी या खराब शॉट खेलने के कारण मैच उसके हाथ से निकल गये। तीसरे टेस्ट में केवल शुभमनगिल और ऋषभपंत ने स्पिनरों की सहायक टर्निंग पिच पर दिखाया कि किस प्रकार बल्लेबाजी की जा सकती है।

रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

हांगकांग। डायना श्नाइडर ने रविवार को ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

आईएसएल : अपनी पिछली हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

जमशेदपुर

चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्कू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी। लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है जिनमें दो जीत और दो ड्रा हैं। कॉयल की टीमों ने जमशेदपुर के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चेन्नइयन ने प्रति मैच 26.5 क्रॉस डाले हैं - जो लीग में सबसे ज्यादा है। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील को लगता है कि उनकी टीम हाईलैंडर्स के हाथों करारी हार को पीछे छोड़कर बेहतर प्रदर्शन करेगी। जमील ने कहा, : हमें करारी हार मिली है, इसलिए अब प्रयास करके सुधार करने और बेहतर करने का समय है। हमें अपनी गलतियों पर सोचने और सुधारने के लिए पर्याप्त समय मिला और हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे।: कॉयल ने मैच से पहले अपने समकक्ष जमील की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि विरोधियों की प्रशंसा का मतलब यह नहीं है वह तीन अंक जीतने के लिए हर संभव प्रयास नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, : खालिद एक बेहतरीन कोच हैं। जमशेदपुर एफसी ने उन्हें अवसर दिया है जिसे उन्होंने भुनाया है। लेकिन मैच में हम जीत का हर संभव प्रयास करेंगे।: दोनों टीमों ने आईएसएल में 14 मैच खेले हैं। चेन्नइयन एफसी छह बार जीती है, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची भारतीय टीम

जोहांसबर्ग । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट टीम चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी है। . बीसीसीआई ने टीम के दक्षिण अफ्रीका पहुंचने की जानकारी प्रशंसकों को देते हुए कहा है कि इस सीरीज में पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय टीम 9 नवंबर से चार टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 तारीख को सेंट जार्ज ओवल में जबकि तीसरा 13 नवंबर को सुपरस्पोर्ट पार्क में व अंतिम मैच 15 नवंबर को वान्डेरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा।

टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, विजयकुमार, आवेश खान और यश दयाल, दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिल सिमलेन, लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

मांजरेकर ने कहा, रोहित की डिफेंस तकनीक में कमी

मुम्बई

पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की तकनीक में आजकर एक कमी आ गयी है जिसके कारण वह बार-बार रन बनाने में असफल हो रहे हैं। मांजरेकर के अनुसार रोहित की डिफेंस में कमी है जिस कारण वह उसपर पहले की तरह से भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

इसी कारण रोहित अपने सर्वश्रेष्ठ फार्म में भी नहीं दिख रहे। रोहित की टेस्ट में उनके आक्रामक रवैये के लिए आलोचना की गई है क्योंकि वह बड़े शॉट खेलते हुए आउट हो रहे हैं।

रोहित की तकनीक का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, मैं ये नहीं कहूंगा कि वह लापरवाह है क्योंकि वह रन बनाने और टीम को जीत दिलाने के लिए अपना तरीका तलाश रहा है पर ये देखने में आया है कि वह स्पष्ट रूप से अब अपने डिफेंस पर भरोसा नहीं करता है, आप देख सकते हैं कि एक एलबीडब्ल्यू अपील पर वह और भी अधिक अस्थिर महसूस कर रहा था। इसलिए इसके बाद वह आक्रामण करने का प्रयास करता है इसी दौरान वह अपना विकेट खो रहा है।

मांजरेकर ने कहा कि वह बड़े शॉट को गलत तरीके से मार रहा है, जिसने हाल के दिनों में उसे नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, आउट होने के लिए उन्होंने जो शॉट खेला, उसमें वह गेंद को सिर्फ कनेक्ट करने की जग पर स्टैंड में मारने की कोशिश कर रहे थे। वह अपने कुछ बड़े शॉट में विफल रहे हैं। पहले टेस्ट मैच में भी ऐसा ही हुआ था, जिसमें उन्होंने आगे बढ़कर गेंद को मैदान से बाहर मारने के प्रयास किये थे, उन्हें अपने डिफेंस पर पूरा भरोसा नहीं है, इसलिए ही वह हड़बड़ाहट में बड़े शॉट खेल जाते हैं। यही उनकी बल्लेबाजी में सबसे बड़ी कमी उभरकर आई है। इसी कारण घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक रोहित ने दस पारियों में केवल 13.30 की औसत से 133 रन बनाए हैं जिसमें केवल एक ही अर्धशतक है। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए उन्हें ये कमी दूर करनी ही होगी।

अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट 21 नवंबर से, 10 टीमें लेंगी हिस्सा, 12 दिन में खेले जाएंगे 40 मैच

अबू धाबी

अबू धाबी टी10 का आठवां सीज़न 21 नवंबर से शुरू हो रहा है, टूर्नामेंट का पहला मैच टीम अबू धाबी और अजमान बोल्ट्स के बीच खेला जाएगा। इस साल के टूर्नामेंट में एक विस्तारित प्रारूप है जिसमें 10 टीमें एक रोमांचक सीज़न में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां शीर्ष पांच टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए कड़ी लड़ाई में शामिल होंगी। प्रतिष्ठित जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी क्रिकेट और स्पोर्ट्स हब में केवल 12 दिनों में 40 से अधिक मैचों का आयोजन करेगा। प्लेऑफ़ सप्ताहांत के दौरान होंगे, जिसकी शुरुआत 1 दिसंबर को क्वालीफायर 1 से होगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर 1 में भिड़ेंगी, उसके बाद एलिमिनेटर 2 होगा, जहां टीम 3 एलिमिनेटर 1 के विजेता से भिड़ेगी। क्वालीफायर 1 की उपविजेता फिर क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर 2 के विजेता से भिड़ेंगी। ग्रैंड फिनाले 2 दिसंबर को होगा, जहां क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 के विजेता खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2024 संस्करण में 18 विभिन्न देशों के खिलाड़ी शामिल हैं।

जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब

बीजिंग

जापान ने रविवार को बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरुआती बढ़त हासिल की। चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा।

अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो घरेलू टीम की गलतियाँ बढ़ने लगीं, जिससे जापान को चार और गोल करने और 5-0 की जीत के साथ चैंपियनशिप पर कब्ज़ा करने का मौका मिला। इससे पहले रविवार को कजाकिस्तान ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 5-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और कजाकिस्तान की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट तीन दिनों तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया। अगला संस्करण 2025 में कजाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

मौजूदा रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

नई दिल्ली

रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया।

साहा ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं...

2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं।

वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी।

खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है।

साहा ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वह बंगाल के लिए केवल लाल गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे और सफेद गेंद वाले टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उनके लिए अब तक, यह घरेलू वापसी यादगार नहीं रही है, वे दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं और विकेट के पीछे तीन कैच लिये हैं।

साहा दिसंबर 2021 से राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्हें तत्कालीन भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया था कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनसे आगे की सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में खेलना जारी रखा और 2022 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा थे जब उसने अपना पहला खिताब जीता था।

अपने गीतों से करोड़ों दिलों पर राज करते थे भूपेन हजारिका

दिल हूम हूम करे, ओ गंगा तुम बहती हो जैसे बेहतरीन गानों को अपनी आवाज देने वाले दिग्गज गायक भूपेन हजारिका किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 8 सितंबर को संगीतकार और गीतकार भूपेन हजारिका का जन्म हुआ था। अपनी खूबसूरत आवाज से भूपेन हजारिका ने करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया। भूपेन हजारिका अपने गीत खुद लिखते थे और फिर उन्हें संगीतबद्ध करते और गाते थे। हजारिका ने असमिया साहित्य और संस्कृति को उन्होंने विश्व मंच तक पहुंचाने का काम किया। हजारिका को भारत रत्न और असमिया रत्न से भी सम्मानित किया गया। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर भूपेन हजारिका के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

असम के सदिया में 8 सितंबर 1926 को भूपेन हजारिका का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम नीलकांत हजारिका और माता का नाम शांतिप्रिया हजारिका था। उन्होंने अपनी शुरूआत शिक्षा गुवाहाटी से पूरी की। फिर आगे की पढ़ाई के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। साल 1944 में हजारिका ने ऑनर्स से ग्रेजुएशन कर साल 1946 में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। इसके बाद भूपेन हजारिका ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से मॉस कम्युनिकेशन में पी. एचडी. की उपाधि प्राप्त की। बता दें कि हजारिका ने कम उम्र से ही गीत लिखना और गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने महज 10 साल की उम्र में पहला गीत लिखा था। एक बार भूपेन तेजपुर में एक कार्यक्रम में असमिया लोकगीत बोरगीत गा रहे थे। इस दौरान कलागुरू के नाम से विख्यात ज्योति प्रसाद अगरवाला भूपेन के गीत से काफी ज्यादा प्रभावित हुए। साल 1939 में ज्योति प्रसाद अगरवाला ने 12 साल की उम्र में भूपेन हजारिका से असमिया फिल्म इन्द्रामालोटि में दो गीत रिकॉर्ड करवाए। भूपेन हजारिका की आवाज में गजब का जादू है। उनके गीत जिस किसी के कानों में घुलते हैं, वह उनका दीवाना बन जाता है। बता दें कि उन्होंने असमी, हिंदी और बांग्ला समेत कई भाषाओं में गीत गाया था। भूपेन हजारिका ने *मिल गई मंजिल मुझे, गजगामिनी, दरमियां, रुदाली, साज, दमन, और क्यों,* जैसी सुपरहिट फिल्मों में गाने गाए हैं। हजारिका ने करीब 1 हजार से अधिक गाने और 15 किताबें लिखी। भूपेन हजारिका को फिल्मों में उत्कृष्ट योगदान के लिए साल 1975 में उन्हें *राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार* से नवाजा गया। वहीं साल 1992 में हजारिका को फिल्मी दुनिया के सर्वोच्च सम्मान *दादा साहब फाल्के पुरस्कार* से नवाजा गया। वहीं साल 2009 में *असम रत्न* और साल 2011 में *पद्म भूषण* से नवाजा गया। इसके बाद साल 2019 में भूपेन हजारिका को देश के सर्वोच्च सम्मान *भारत रत्न* से सम्मानित किया गया। भूपेन हजारिका और अभिनेत्री कल्पना लाजमी की लव स्टोरी काफी चर्चित रही। साल 1974 में आई फिल्म *आरोप* के सेट पर उनकी मुलाकात कल्पना लाजमी से हुई। भूपेन कल्पना को देखते ही उन्हें अपना दिल दे बैठे। उस दौरान कल्पना की उम्र महज 17 साल के आसपास थी। वहीं भूपेन की उम्र 40 के पार थी। इस फिल्म का एक गाना *नैनों में दर्पण है, दर्पण है कोई देखूं जिसे सुबहो शाम* काफी ज्यादा फेमस रहा। अपने जीवन के अंतिम समय तक निमोनिया से पीड़ित थे। लगभग 86 साल की उम्र में गायक और संगीतकार भूपेन हजारिका का 5 नवंबर 2011 को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूबाई अंबानी अस्पताल में निधन हो गया था।

नहाय-खाय के दिन कुछ चीजों का दान करने से प्राप्त होता है सूर्य देव का आशीर्वाद

हर वर्ष कार्तिक महीने में छठ पूजा मनाई जाती है। यह पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। इस पर्व के पहले दिन नहाय-खाय होता है। इसके अगले दिन खरना होता है। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को संध्याकाल में डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। जबकि, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। नहाय-खाय के पहले दिन व्रती स्नान-ध्यान कर पूजा करती हैं। इसके बाद भोजन ग्रहण करती हैं। इस दिन सात्विक भोजन ही ग्रहण किया जाता है। अगर आप भी सूर्य देव की कृपा पाना चाहते हैं, तो नहाय-खाय के पहले दिन पूजा के पश्चात इन चीजों का दान करें।

अगर आप सुखों में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो नहाय-खाय के पहले दिन अरवा चावल का दान करें। सामान्य जन चावल का भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा, दूध, दही, घी आदि चीजों का भी दान कर सकते हैं।

अगर आप पद प्रतिष्ठा में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो नहाय-खाय के दिन चने की दाल, मूंग की दाल, पके केले, पके पपीते, पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इन चीजों के दान से देवगुरु बृहस्पति की कृपा साधक पर बरसती है।

सूर्य देव की कृपा पाने के लिए नहाय-खाय के दिन गुड़ और लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इन चीजों के दान से सूर्य देव की कृपा साधक पर बरसती है। उनकी कृपा से करियर और कारोबार का नया आयाम मिलता है।

छठ पूजा के दौरान सूर्य देव की उपासना की जाती है। इसके लिए नहाय-खाय से लेकर भोर के अर्घ्य देने तक अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य अवश्य करें। इस दौरान आप बुध देव की कृपा पाने के लिए गन्ने, हरे रंग के फल और हरी सब्जियों का दान करें। इन चीजों का दान करने से कारोबार में तरक्की होती है।

सड़ी-गली हालत में मिला साउथ सिने इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर गुरुप्रसाद का शव

मशहूर कन्नड़ फिल्म निर्देशक गुरुप्रसाद रविवार 3 नवंबर सुबह बेंगलुरु स्थित अपने फ्लैट में मृत पाए गए। *एडेलु मंजूनाथ* और *डायरेक्टर्स स्पेशल* जैसी फिल्मों के डायरेक्टर गुरुप्रसाद 52 साल के थे। पुलिस को संदेह है कि उन्होंने दो-तीन दिन पहले आत्महत्या की है। गुरुप्रसाद पिछले आठ महीने से उत्तरी बेंगलुरु के मदननायकनहल्ली इलाके के एक अपार्टमेंट में रह रहे थे। उनके फ्लैट से आ रही बदबू से पड़ोसियों को एहसास हुआ कि उनकी मौत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक लोगों से पैसे उधार लेकर गुरुप्रसाद को आर्थिक नुकसान हुआ था। उनकी हालिया फिल्म *रंगनायक* फ्लॉप रही थी और इस वजह से वह डिप्रेशन में थे। संदेह है कि गुरुप्रसाद ने आत्महत्या की है। अपार्टमेंट से दुर्गंध आने की शिकायत करने पर पुलिस पहुंची। एसपी सीके बाबा ने गुरुप्रसाद की मौत की पुष्टि की है। उनके मुताबिक पड़ोसियों ने गुरुप्रसाद को आखिरी बार पांच-छह दिन पहले देखा था। ऐसा लगता है कि उसी दिन उन्होंने फांसी लगा ली। वह आर्थिक तंगी में थे, इसलिए उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि हम उनकी मौत के समय और बाकी की जांच कर रहे हैं। गुरुप्रसाद के निधन की खबर के बाद कन्नड़ कलाकार और प्रशंसक सदमे में हैं। इस खबर को सुनकर उनके साथ काम करने वाले स्टार्स ने श्रद्धांजलि दी है। गुरुप्रसाद कन्नड़ सिनेमा के एक मशहूर नाम थे। उन्होंने 2006 में फिल्म *माता* से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इसके बाद *एडेलु मंजूनाथ* उनकी दूसरी फिल्म थी। दोनों ही फिल्में लोगों को पसंद आईं और हिट रहीं। इतना ही नहीं इन फिल्मों के लिए उन्हें कई अवॉर्ड भी मिले। गुरुप्रसाद रियलिटी टीवी शो *डांस कर्नाटक डांस* के जज थे। उन्होंने *बिग बॉस कन्नड़ 2* में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में भाग लिया था।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**